दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

रविवार 31 अगस्त 2025

सूर्योदय प्रात: 05 :57 बजे

सूर्यास्त सांय 18 : 42 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 316 | गाजियाबाद, रविवार 31 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने किया ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का लोकार्पण

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को नोएडा पहुंचे। दोनों नेताओं ने सेक्टर-81 स्थित राफी मोहिब ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और रक्षा उपकरण एवं इंजन टेस्ट फैसिलिटी का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बढ़ती रक्षा क्षेत्र की चुनौतियों को देखते हुए अत्याधुनिक ड्रोन, एयरक्राफ्ट इंजन और एयरोस्पेस टेस्ट फैसिलिटी देश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

भारत 1947 से लगातार चुनौतियों का सामना करता आ रहा है और 'ऑपरेशन सिंदूर' ने युद्ध के नए दौर में देश की सामर्थ्य और शक्ति का प्रदर्शन किया है। आपके पास ताकत है तो दुनिया आपके सामने नतमशतक होती है। शास्त्र और शस्त्र दोनों का बेहतर समन्वय होगा तो शांति कायम होगी। उन्होंने शेर और बकरी का उदाहरण देते हुए कहा कि शेर सामर्थ्य और राज दोनों का प्रतीक है। सीएम योगी ने महाराणा प्रताप की वीरता का भी उल्लेख किया और कहा कि उत्तर प्रदेश में नौ ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां संचालित हैं।

राज्य सरकार ने साढ़े 12 हजार एकड़ भूमि डिफेंस कॉरिडोर के लिए उपलब्ध कराई है, जिसमें आगरा, अलीगढ़, झांसी, चित्रकूट और कानपुर शामिल हैं। साथ ही लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की यूनिट स्थापित की गई है, जिसने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ की मुस्कुराहट तब और बढ़ेगी जब वहां से ब्रह्मोस मिसाइल दुश्मन पर निशाना साधेगी।

उन्होंने नई ड्रोन यूनिट को बधाई देते हुए आश्वशत किया कि यूपी सरकार देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह यूनिट देश को समर्पित है और डिफेंस सिस्टम में साइंटिफिक रिवॉल्यूशन का प्रतीक है।

2017 में महज 10 लोगों के साथ कंपनी की शुरुआत हुई थी और आज 3,600 से ज्यादा वैज्ञानिक व इंजीनियर यहां काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका या चीन का कोई भी डिफेंस सिस्टम इस कंपनी के बने ड्रोन को डिटेक्ट नहीं कर सकता।

इसे देश की सबसे इनोवेटिव एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सिस्टम दुश्मन में दहशत पैदा करने वाला है। रक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था इतनी खराब थी कि यहां उद्योग लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, लेकिन आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य निवेशकों की पहली पसंद बन गया है।

उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि ड्रोन अब सिर्फ निगरानी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आधुनिक युद्ध का अहम हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण को याद करते हुए कहा कि विरोध झेलने के बावजूद भारत ने हमेशा नई राह बनाई है।

मात्र 14 महीनों में इस कंपनी और डीआरडीओ के बनाए प्रोडक्ट्स 'ऑपरेशन सिंदूर' में इश्तेमाल हुए। संकल्प, साहस और विज्ञान के मेल से ही यह संभव हो पाया और सेना के जवानों की वीरता का भी जिक्र किया जाना चाहिए।

तियांजिन पहुंचे PM, एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे

✷ वेबवार्ता. तियांजिन/नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन और जापान की चार दिन की यात्रा के दूसरे पड़ाव में शनिवार शाम चीन के शहर तियांजिन पहुंच गये जहां वह शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। तियांजिन पहुंचने पर श्री मोदी का हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। श्री मोदी की चीन यात्रा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है।

उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, " चीन के तियांजिन पहुंच गया हूं। एससीओ शिखर सम्मेलन में चर्चा और विभिन्न वैश्विक नेताओं के साथ मिलने के लिए उत्सुक हूं। "

श्री मोदी की पिछले सात वर्षों में यह पहली चीन यात्रा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पिछले एक वर्ष में दूसरी मुलाकात होगी। गुरूवार को दोनों देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले श्री मोदी ने कहा था कि वह शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग, राष्ट्रपति पुतिन और अन्य नेताओं से मिलने के लिए उत्सुक हैं। एससीओ के बारे में उन्होंने कहा " भारत एससीओ का सक्रिय और रचनात्मक सदस्य है।

अपनी अध्यक्षता के दौरान, हमने नवाचार, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में नए विचार रखे हैं और सहयोग की पहल की है।" उन्होंने कहा कि भारत साझा चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एससीओ सदस्यों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी यात्रा भारत के राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा,"मुझे विश्वास है कि जापान और चीन की मेरी यात्राएँ हमारे राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएँगी, और क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति, सुरक्षा तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने में फलदायी सहयोग के निर्माण में योगदान देंगी।"

NHAI ने मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग सिस्टम के लिए समझौता, टोल पर बिना रुके चलेंगी गाड़ियां

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्र सरकार ने गाड़ियों को टोल बूथों पर बिना रुके या स्पीड कम किए तेजी से निकलने की राह आसान कर दी है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की कंपनी भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) ने गुजरात के चोर्यासी टोल प्लाजा और हरियाणा के घरौंडा टोल प्लाजा पर देश का पहला मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) सिस्टम शुरू करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक के साथ समझौता किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, देश की पहली व्यापक मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग प्रणाली लागू करने के लिए नई दिल्ली के एनएचएआई मुख्यालय में एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, आईएचएमसीएल और आईसीआईसीआई बैंक के अधिकारियों की उपस्थिति में इस समझौते हश्ताक्षर किए गए।

बिहार : मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए निर्वाचन आयोग को लगभग दो लाख आवेदन मिले

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि उसे बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार की जा रही मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए व्यक्तियों से 1.98 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। आयोग ने कहा कि दूसरी ओर, नाम शामिल करने के लिए लगभग 30, 000 आवेदन प्राप्त हुए। मतदाता सूची का मसौदा एक अगश्त को प्रकाशित किया गया था और यह एक सितंबर तक व्यक्तियों तथा राजनीतिक दलों द्वारा ''दावों और आपत्तियों'' के लिए खुला रहेगा। चुनाव कानूनों के तहत, लोगों और दलों को उन नामों को शामिल करने को चुनौती देने का अधिकार है जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे मसौदा सूची में अपात्र हैं। इसी तरह, जो लोग खुद को पात्र समझते हैं लेकिन सूची से बाहर रह गए हैं, वे भी नाम शामिल करने की मांग कर सकते हैं। बिहार में नवंबर में चुनाव होने की संभावना है और वहां के लिए अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

बिहार एसआईआर विवाद : आपत्ति दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाने संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई आज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाने के अनुरोध वाली राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की ओर से दायर याचिकाओं पर एक सितंबर को सुनवाई करेगा। एसआईआर को लेकर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख एक सितंबर है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों द्वारा दायर आवेदनों को सोमवार, जिसका तात्पर्य एक सितंबर से है, को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की क्योंकि दलों ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था।

देश की जीडीपी ग्रोथ में उछाल पर मंत्री ने जताई खुशी, कहा- भारत झुकने वाला देश नहीं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी से बढ़कर 7.8 फीसदी पहुंचने पर केंद्रीय आवास और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए टैरिफ विवाद पर इशारों-इशारों पर अमेरिकी राष्ट्रपति पर निशाना साधा।

जन आंदोलन की भूमि बिहार में मील का पत्थर साबित हुई वोटर अधिकार यात्रा : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 1300 किमी लंबी वोटर अधिकार यात्रा को जो सम्मान मिला है। बिहार में आंदोलन की गौरवशाली इतिहास में मील का पत्थर बनी है और अब गरिमा और प्रतिष्ठा के साथ राज्य की राजधानी पटना में इसका समापन भी किया जा रहा है।कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट में कहा कि 16 दिन तक चली इस यात्रा का सोमवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य समापन हो रहा है।

सासाराम से 17 अगश्त को शुरु हुई इस यात्रा को बिहार के 110 विधानसभा क्षेत्रो से गुजरते हुए जो सम्मान और प्रतिष्ठा मिली उसी के अनुरूप इसका भव्य समापन भी किया जा रहा है। श्री वेणुगोपाल ने कहा, 'बिहार की जनता ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और पूरे महा गठबंधन की यह यात्रा थी।

जिसने मतदाताओं को मिले अधिकार की रक्षा की लड़ाई में ऐतिहासिक कठिनाइयाँ देखी हैं लेकिन आम जनता को मिली एक मात्र शक्ति - मतदान का अधिकार जिसके छिने जाने का अकल्पनीय खतरा था, उसकी रक्षा की। उनके मन में जो डर था, उसे हटाने की ज़रूरत थी और यह यात्रा मतदाता पुनरीक्षण सूची के नाम पर लोकतंत्र बचाने के लिए आशा की किरण बनकर आई।" उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने 25 ज़िलों के 110 से ज़्यादा विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए 1300 किमी का सफर तय कर बिहार के जनांदोलनों के समृद्ध इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरी है।कांग्रेस नेता ने कहा ,"देश भर के सम्मानित नेता, जो हमारे उद्देश्य में विश्वास रखते थे, इसमें शामिल हुए और इसे और मज़बूती दी-जिनमें तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ ही आज अखिलेश जी और पिछले हफ़्ते प्रियंका गांधी जैसे अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इसका समापन पटना में गांधी मैदान से डॉ. भीम राव अंबेडकर प्रतिमा, अंबेडकर पार्क तक एक विशाल यात्रा के साथ होगा - जो लाखों लोगों को प्रभावित करने वाला भव्य आयोजन होगा और यह इस यात्रा का एक गरिमापूर्ण समापन होगा।"

आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स से अलग हुए द्रविड़

✷ वेबवार्ता. जयपुर ✷

आईपीएल 2026 से पहले राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का साथ छोड़ दिया है। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में टीम के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फ्रेंचाइजी ने उन्हें एक बड़ी भूमिका की पेशकश की थी जिसे द्रविड़ ने स्वीकार नहीं किया।

आरआर ने अपने बयान में कहा, 'राहुल द्रविड़ का राजस्थान रॉयल्स के साथ एक लंबा और गहरा रिश्ता रहा है। उन्होंने टीम को कई सालों तक मार्गदर्शन दिया। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक पूरी पीढ़ी को तैयार किया गया। उन्होंने टीम में मजबूत मूल्यों को स्थापित किया और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी। 'फ्रेंचाइजी की संरचनात्मक समीक्षा के हिस्से के रूप में राहुल को फ्रेंचाइजी में एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं करने का फैसला किया।

राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को दिल से धन्यवाद देते हैं।' आईपीएल 2025 का सीजन राहुल द्रविड़ के लिए व्यक्तिगत रूप से भी काफी चुनौतीपूर्ण रहा था। उन्हें पैर में चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक व्हीलचेयर पर रहना पड़ा, हालांकि वह टीम को कोचिंग देते रहे। इस सीजन द्रविड़ की कोचिंग में आरआर 14 में से सिर्फ चार ही मैच जीत पाई और नौवें स्थान पर रही। बतौर खिलाड़ी द्रविड़ 2011 में आरआर के साथ जुड़े थे।

2014 और 2015 में बतौर मेंटॉर आरआर को अपनी सेवा देने से पहले द्रविड़ 2012 और 2013 में भी आरआर का बतौर खिलाड़ी हिस्सा रहे थे। आरआर का साथ छोड़ने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और अब आरआर बिना मुख्य कोच के हैं।

राहुल ने यात्रा की 'क्रांति' के पूरे देश में फैलने का दावा किया, अखिलेश ने भाजपा को हराने का आह्वान किया

✷ वेबवार्ता. सारण/भोजपुर ✷

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ शनिवार को कहा कि बिहार में शुरू हुई यह 'क्रांति' पूरे देश में फैलने जा रही है और अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट और चुनाव की 'चोरी' नहीं करने दी जाएगी।

राहुल गांधी और बिहार के महागठबंधन के नेताओं को इस यात्रा के 14वें दिन समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव का भी समर्थन मिला।

यात्रा में शामिल होने के बाद यादव ने बिहार की जनता का आह्वान किया कि वे उसी तरह भाजपा को 'मगध' (बिहार) में भी हराए, जैसे पिछले लोकसभा चुनाव में लोगों ने उसे 'अवध' (उत्तर प्रदेश) में हराया था। यात्रा का आज 14वां दिन था और आगामी सोमवार को पटना में 'विशाल पैदल' मार्च से पहले वाहन के जरिए यह आखिरी दिन की यात्रा थी।

यात्रा में रविवार को अवकाश का दिन है। सासाराम से 17 अगश्त को शुरू हुई यह 16-दिवसीय यात्रा एक सितंबर (सोमवार) को पटना में ''विशाल पैदल मार्च'' के साथ समाप्त होगी। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सारण से इस यात्रा का हिस्सा बने। राहुल गांधी, अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव और महागठबंधन के कुछ अन्य नेता एक खुली जीप पर सवार थे और उन्होंने जगह-जगह उत्साही भीड़ का अभिवादन स्वीकार किया। अखिलेश यादव से पहले, द्रमुक नेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस यात्रा में शामिल हो चुके हैं। राहुल गांधी ने यात्रा में शामिल होने के लिए अखिलेश यादव का धन्यवाद किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया।

'दो भाई, वोट चोरों की तबाही! वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होकर, तेजस्वी, मुझे और 'इंडिया' गठबंधन के सभी नेताओं को अपना समर्थन देने के लिए आपका बहुत धन्यवाद, अखिलेश जी।' यात्रा के 14वें दिन का समापन आरा (भोजपुर) में एक जनसभा के साथ हुआ।

शासन में पारदर्शिता को समितियाँ सरकार के साथ मिलकर कार्य करें तो पारदर्शिता बढ़ेगी : बिरला

✷ वेबवार्ता. भुवनेश्वर ✷

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज यहां कहा कि समितियाँ सरकार के साथ मिलकर कार्य करें तो शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी, जिससे समाज को सशक्त बनाने का लक्ष्य पूरा होगा।

श्री बिरला ने यहां संसद एवं राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं की अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि समितियों का उद्देश्य सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि योजनाओं को और अधिक जनकेंद्रित बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव देना है।

समितियाँ सरकार के साथ मिलकर कार्य करें तो शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी, जिससे समाज को सशक्त बनाने का लक्ष्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) समुदाय को संवैधानिक अधिकारों और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए समितियों को बजट के प्रभावी उपयोग और योजनाओं में आवश्यक बदलाव पर गंभीरता से समीक्षा करनी होगी।

अध्यक्ष ने बताया कि हमारे एससी/एसटी युवा आज शिक्षा, व्यवसाय, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल कर रहे हैं। यही युवा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में मजबूत शतंभ बनेंगे। उन्होंने अपील की कि ऐसे आयोजन तभी सार्थक होंगे जब जिन राज्यों में अभी तक इस प्रकार की समितियाँ गठित नहीं हुई हैं, वहाँ भी इनका शीघ्र गठन हो।

अलग-अलग थाना क्षेत्र से छह अभियुक्त गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित व वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना मडराक पुलिस टीम द्वारा बीएनएस में वांछित अभियुक्त प्रणवीर प्रताप सिंह उर्फ पुष्पेन्द्र पुत्र वीरपाल सिंह निवासी ग्राम बढौली फतेहखां थाना मडराक जनपद अलीगढ़ को पुलिस लाइन के निकट से गिरफ्तार किया। तो वहीं थाना बन्नादेवी पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त आमीर पुत्र ताहिर खान निवासी निशा लाज के पास शाहजमाल थाना रोरावर जिला अलीगढ हाल पता मकान न0 10/202 दक्षिण पुरी एक्सटेंशन डाक्टर अम्बेडकर नगर नई दिल्ली रोहित पुत्र रामवीर निवासी चावड गेट पुरानी छिपैटी थाना हाथरस गेट जनपद अलीगढ व जीशान पुत्र मौहम्मद अनीश निवासी मदीना मस्जिद निशा लाज के पास शाहजमाल थाना रोरावर जिला अलीगढ को एक तमंचा 315 बोर व एक कारतूस 315 बोर के साथ वैशालीपुरम से भीकमपुर जाने वाले राश्ते से गिरफ्तार किया। तो वहीं थाना हरदुआगंज पुलिस टीम द्वारा बीएनएस में पीसीआर पर लाए गए अभियुक्त प्रवीन कुमार पुत्र पुष्पेन्द्र सिह निवासी ग्राम ग्वालरा थाना हरदुआगंज अलीगढ की निशादेही पर एक तमंचा 315 बोर एक अदद नाल मे फँसा हुआ खोखा 315 बोर आम का बाग बहद ग्राम दाऊदपुर ट्यूबैल की हौदी के पास से बरामद किया। तो वहीं थाना लोधा पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त बबलू पुत्र देवेन्द्र निवासी अटलपुर थाना लोधा, अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ मूसेपुर पुलिया से अटलपुर जाने वाले राश्ते से गिरफ्तार किया। तो वहीं थाना महुआखेडा पुलिस टीम द्वारा बीएनएस मे वांछित अभियुक्त संदीप पुत्र मंगल सिंह निवासी याकूतपुर थाना महुआखेडा, अलीगढ़ को जीवीएम माल के पास से गिरफ्तार किया।

सिंचाई बन्धु की बैठक 09 सितम्बर को

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह की अध्यक्षता में 09 सितम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे से विकास भवन स्थित सभागार में सिंचाई बन्धु की बैठक आयोजित की जाएगी। अधिशासी अभियंता एवं सचिव सिंचाई बन्धु ने उक्त जानकारी देते हुए सभी किसान भाईयों से आग्रह किया है कि वह निर्धारित तिथि पर अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाऐं एवं अपनी सिंचाई से सम्बन्धित समस्याओं व मांगों के सम्बन्ध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को सूचित करना चाहें।

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे ष्मिशन शक्ति अभियान-5ष के अंतर्गत समश्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समश्त थानों पर गठित महिला सुऱक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है।

एएमयू के तिब्बिया कॉलेज में एक्सटेंशन लेक्चर और पीयूवीए थैरेपी उपकरणों का उद्घाटन

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अजमल खाँ तिब्बिया कॉलेज (एकेटीसी) के अमराजे जिल्द वा जोहराविया (चर्मरोग) विभाग में क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आरआरआईयूएम), अलीगढ़ के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सैयद अब्बास हैदर जैदी का एक एक्सटेंशन लेक्चर आयोजित किया गया। इस अवसर पर एएमयू के पूर्व छात्र सगीर अहमद द्वारा दान किए गए पीयूवीए थैरेपी उपकरणों का भी उद्घाटन किया गया। इन उपकरणों से विभाग में त्वचा रोगों की क्लीनिकल सेवाएँ और शोध कार्य और अधिक सशक्त होंगे। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोहसिन, कॉलेज प्राचार्य प्रो. बदरुद्दुजा खान, वरिष्ठ शिक्षकों और स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया। एएमयू और सीसीआरयूएम (सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन यूनानी मेडिसिन) के बीच एमओयू के तहत विभाग आरआरआईयूएम अधिकारियों को प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है।

गुजरात में 62 लाख फर्जी मतदाता, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा का बड़ा दावा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में मतदान में धांधली का गंभीर आरोप लगाते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि गुजरात की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ हुई है जिसमें लगभग 62 लाख फर्जी मतदाता शामिल हैं। सत्यापन के दौरान खासकर नवसारी लोकसभा और चोर्यासी विधानसभा क्षेत्रों में 30000 फर्जी मतदाता पकड़े गए। इस खुलासे के बाद कांग्रेस ने पूरे राज्य में मतदाता अधिकार अभियान शुरू करने की घोषणा की है। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि किस तरह गुजरात में वोट चोरी हो रही है और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नवसारी से भाजपा सांसद सीआर पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र में कुछ फर्जी वोट डाले गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 182 विधानसभा क्षेत्रों में इस पद्धति से मतदान कराया गया था लगभग 62 लाख वोट चोरी हुए। अमित चावड़ा ने कहा लोकतंत्र की नींव और देश का संविधान हमें वोट देने का अधिकार देता है। लोकतंत्र इस समय खतरे में दिख रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वोट चोरी का पर्दाफाश किया है। गुजराती इस बात से चिंतित हैं कि कहीं असली मतदाताओं की संख्या से ज्यादा तो नहीं बढ़ गई है, नकली मतदाताओं की संख्या। लोकतंत्र एक व्यक्ति, एक वोट का अधिकार देता है। कांग्रेस की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद पता चला कि मतदाता सूची में गड़बड़ी है। जब पूरे गुजरात की मतदाता सूची की जाँच की गई तो कई खुलासे हुए। गुजरात में एक व्यक्ति एक से ज्यादा बार वोट देता है। ऐसे चोरों के कारण लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश चल रही है। चोर्यासी विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 6 लाख है, जिनमें से 2.40 मतदाताओं की जाँच की गई, जिनमें से 30 हजार मतदाता फर्जी पाए गए। यह वोट चोरी देश में कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे एक नेता की मौजूदगी में हो रही है। चोर्यासी विधानसभा में भाजपा नेता संदीप देसाई विधायक हैं। इस विधानसभा में 12 प्रतिशत मतदाता फर्जी हैं। यदि जांच की जाए, तो इस विधानसभा में 75,000 मतदाता फर्जी हो सकते हैं। अमित चावड़ा ने कहा कि मतदाता सूची में छेड़छाड़ के पाँच तरीके हैं। इनमें पूरी तरह से गलत मतदाता, मतदाता की स्पेलिंग में छेड़छाड़, एक व्यक्ति के तीन-चार मतदाता पहचान पत्र, पते में बदलाव और मतदाता सूची में भाषा से छेड़छाड़ शामिल है। उन्होंने कहा कि पूरे गुजरात में मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 6 लाख है। अगर इन पाँच तरीकों को इस्तेमाल किया जाए, तो एक चुनाव में 62.31 लाख वोट चोरी हुए हैं। अगर बड़े-बड़े नेताओं के क्षेत्रों में ऐसे घोटाले हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि चौकीदार चोर है। अगर यह व्यवस्था 182 विधानसभा क्षेत्रों में लागू है, तो 62 लाख वोटों की चोरी हो रही है। चुनावों में मतदान में धांधली करके लोकतंत्र को नष्ट किया जा रहा है। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि हम 2027 तक गुजरात के सभी मतदाताओं से मिलेंगे और इन वोट चोरों को बेनकाब करेंगे। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह राज्य के हर गांव में जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेगी और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदान में गड़बड़ी को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग को एक प्रस्ताव सौंपेगी। कल दोपहर तीन बजे कलेक्टर कार्यालय के सामने होने वाले विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे और इस अभियान को और तेज किया जाएगा।

राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करें : ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधिनिर्माताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने विधानमंडलों की बैठकों की संख्या में कमी और विधायी निकायों में सदस्यों के अमर्यादित आचरण पर क्षोभ व्यक्त किया। भुवनेश्वर, ओडिशा में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, बिरला ने कहा कि विधानमंडलों में चर्चा-संवाद का स्तर कम होना चिंता का विषय है। बिरला ने कल्याणकारी योजनाओं को समाज के वंचित वर्गों तक सही मायने में पहुँचाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकारी धन के प्रभावी उपयोग और सुदृढ़ निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया और समावेशी विकास को गति देने में वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य वंचित वर्गों के उत्थान के उद्देश्य से सामाजिक कल्याण पहलों के लिए हर साल पर्याप्त संसाधन आवंटित किए जाते हैं। समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, बिरला ने कहा कि समितियां संसदीय लोकतंत्र का मुख्य आधार हैं। सदन में चर्चा पर हावी होने वाली राजनीतिक बाध्यताओं के विपरीत, समितियाँ दलगत राजनीति से ऊपर उठाकर मुद्दों की विस्तार से जांच करती हैं और आम सहमति पर आधारित सिफ़ारिशें करती हैं।

पत्नी और सास से बहुत परेशान युवक ने वीडियो बनाने के बाद दी जान

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷

पत्नी और सास सहित अन्य ससुरालियों से तंग आकर नजीबाबाद के मुहल्ला पठानपुरा निवासी एक युवक ने युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जान देने से पहले युवक ने अपनी पीड़ा सुनाते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

मृतक के मौसा ने पत्नी और सास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मुहल्ला पठानपुरा निवासी का 20 वर्षीय पुत्र नवेद खान नजीबाबाद के ही मछली बाजार में सिलाई मशीन बेचने और पुरानी मशीनों की मरम्मत की दुकान करता था।

नवेद की करीब करीब डेढ़ साल पहले इंटरनेट मीडिया के माध्यम से किरतपुर निवासी नाजिया अंसारी पुत्री इंतजार से प्रेम-प्रसंग हो गया। एक साल पहले नाजिया के परिवार वालों ने नवेद को अपने घर बुलाकर जबरन नाजिया का निकाह कर दिया।

लेकिन निकाह के बाद नाजिया कभी अपनी ससुराल नहीं आई। निकाह के बाद नाजिया और उसकी मां हर माह नवेद की दुकान पर आकर दवाब बनाकर खर्चे के लिए रुपये ले जाती थी। बाद में नाजिया का व्यवहार नवेद के प्रति बदलने लगा और खर्चे के लिए और अधिक रुपयों की मांग करने लगी। जिससे नवेद काफी परेशान हो गया। उसने कई बार अपनी पत्नी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उल्टा नाजिया ने उसे फर्जी मुकदमा दर्ज कराकर जेल भिजवाने की धमकी देना शुरू कर दिया। शुक्रवार की रात करीब एक बजे नवेद ने नाजिया और उसकी मां द्वारा परेशान किए जाने से तंग आकर छत पर जाकर पानी की टंकी में लगे लोहे के पाइप लाइन से बिजली के तार के केबल का गले में फंदा लगाकर लटक गया। उधर, छत पर हुई आहट सुनकर नवेद की मां पाको ऊपर पहुंची। जहां नवेद फंदा लगाकर लटका हुआ था।

मां के शोर मचाने पर मुहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए और नवेद को नीचे उतारकर उपचार के लिए नगर के पूजा हास्पिटल ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्वजन शव को घर ले आए।

उधर, जान देने से पहले नवेद ने वीडियो बनाकर प्रसारित कर दी। वीडियो ने नवेद ने अपनी पीड़ा सुनाते हुए कहा कि उसे ब्लैकमेल कर नाजिया व उसकी मां करीब 10 लाख रुपये ले चुकी है। अब बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

उसने अपनी मौत के लिए पत्नी व उसके स्वजन को जिम्मेदार बताया। कोतवाली प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। नजीबाबाद के मुहल्ला जाब्तागंज हवेलीतला निवासी नवेद के मौसा नाहिद खां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

राहुल-तेजस्वी की यात्रा में शामिल नहीं हुई ममता, अब भेज रहीं दो नेता

–वोटर अधिकार यात्रा में सीएम स्टालिन और रेड्डी कर चुके हैं शिरकत

पटना (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट को संशोधित करने के लिए चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान चलाया। विपक्षी दलों का आरोप है कि इसके जरिए कई वैलिड वोटर्स के नाम हटाने का काम किया गया। चुनाव आयोग ने इस पर सख्त आपत्ति जताते हुए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ये सब घटनाक्रम ऐसे वक?त में हुआ, जब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, आरजेडी नेता तेजस?वी यादव समेत विपक्ष के तमाम नेता 'वोट चोरी' जैसा गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने की कवायद के तहत राहुल और तेजस?वी की अगुआई में बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली जा रही है। इस यात्रा में तमिलनाडु के सीएम एमके स?टालिन और तेलंगान के सीएम रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं ने शिरकत की। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इस यात्रा का हिस्सा बने लेकिन विपक्षी गुट की धाकड़ नेता और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस यात्रा से दूरी बनाए हुए हैं।

बता दें ममता बनर्जी विपक्ष की ताकतवर नेता हैं, ऐसे में वोटर अधिकार यात्रा में उनका शिरकत न करना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, अब यह खबर सामने आई है कि सीएम ममता ने इस यात्रा में टीएमसी का प्रतिनिधित?व करने के लिए दो नेताओं को नामित किया है। इनमें यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी हैं। यूसुफ पठान बहरामपुर सीट से सांसद हैं, वहीं ललितेश त्रिपाठी टीएमसी की नेशनल वर्किंग कमेटी के सदस्य हैं। अब ये दोनों नेता वोटर अधिकार यात्रा में ममता बनर्जी की पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि पश्चिम बंगाल में भी वोटर लिस्ट को अपडेट करने की कोशिश की जा रही है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने कोलकाता की रैली में बीजेपी, चुनाव आयोग और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है, जबकि उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीने का है। ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता से आह्वान किया कि अगर कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें। अपना आधार कार्ड तैयार रखें। दरअसल, पश्चिम बंगाल में भी अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होना हैं।

प्रदेश में टीएमसी का बीजेपी से सीधा मुकाबला है। बंगाल की सीएम भी चुनाव आयोग पर लगातार आरोप लगाती रही हैं। बिहार में राहुल गांधी और तेजस?वी यादव की

वोटर अधिकार यात्रा में इंडिया ब्लॉक के एक और दिग्गज नेता ने हिस्सा लिया। अब अखिलेश यादव की भी इस यात्रा में एंट्री हो चुकी है। चुनाव आयोग की ओर से कथित तौर पर 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा अब अंतिम चरण में है। बता दें राहुल गांधी और तेजस?वी यादव की अगुआई में निकाली जा रही इस यात्रा को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है और इसे लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। यात्रा का भव्य स्वागत हो रहा है।

तेजस्वी के बिहार के सीएम बनने पर...बहन रोहिणी का अजीबोगरीब बयान

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शनिवार को राजद अध्यक्ष लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्या भी शामिल हुई हैं। इस बीच, उन्होंने इंडिया ब्लॉक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अभी शादी नहीं है, सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, इसकी आप सभी को चिंता है। उन्होंने कहा कि जो जरूरी है, वहीं पहले होगा। दरअसल, उन्होंने कहा कि अभी मतदाताओं के अधिकार की लड़ाई लड़ी जा रही है। अभी शादी की बात ही नहीं चल रही है और सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, उसकी चर्चा हो रही है। जो ज्यादा ज़रूरी है, उसकी बात नहीं होगी। इस दौरान, उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार पर तेजस्वी यादव की घोषणाओं को नकल करके लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता एनडीए को जवाब देगी। उन्होंने कहा कि आज उन्हें नौकरी और रोजगार दिखाई पड़ने लगे हैं, पहले कहां थे? इन लोगों ने बिहार में एक सुई की फैक्ट्री भी नहीं लगाई है। उन्होंने कहा कि सारण में जो कुछ भी है, वह लालू और तेजस्वी यादव का किया हुआ है। प्रधानमंत्री हर बार चुनाव में बोलकर जाते हैं, लेकिन कुछ होता नहीं है। जब तेजस्वी ने घोषणाएं की, तब ये लोग उसी का कॉपी–पेस्ट कर योजना लागू कर रहे हैं। रोहिणी ने पिछले लोकसभा चुनाव में सारण से राजद की टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। हालांकि, उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। उन्हें भाजपा के प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी ने पराजित किया था। रोहिणी आचार्या ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा का सफाया तय है।

निदान में देर होने पर या गंभीर मामलों में कैंसर काफी बढ़ जाता है: डॉ अभिनव

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

कैंसर दुनिया में स्वास्थ्य की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है, जिसके हर साल लाखों नए मरीज सामने आते हैं। भारत में भी कैंसर के मरीज लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। इससे विभिन्न आयुवर्ग के महिला एवं पुरुष, दोनों प्रभावित हो रहे हैं। ग्लोबोकैन 2022 के अनुसार, भारत में कैंसर के लगभग 1.4 मिलियन नए मरीज दर्ज हुए, जिनमें से नौ लाख मरीजों की जान नहीं बच सकी।

हालांकि कैंसर के ज्यादातर मामलों को जागरुकता, समय पर पहचान, जीवनशैली में सुधार तथा दवा की मदद से रोका या ठीक किया जा सकता है। उक्त बातें मणिपाल हॉस्पिटल के कंसल्टैंट-मेडिकल ऑन्कोलॉजी, एचसीएमसीटी डॉ. अभिनव नरवारिया ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं।

मैरिस रोड स्थित एक होटल में डॉ. अभिनव नरवारिया ने कहा, कि 'हाल ही में कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं, जिसका कारण खराब आहार, धूम्रपान, मदिरा सेवन, शारीरिक गतिहीनता, अनुवांशिक प्रवृत्ति और प्रदूषण हैं। कैंसर कई तरह के हो सकते हैं, जिनमें श्तन कैंसर, सर्विकल कैंसर, ओरल कैंसर तथा

कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। लेकिन नियमित जांच और समय पर पहचान द्वारा इनकी रोकथाम की जा सकती है। कैंसर का इलाज हम कई तरह की थेरेपी देकर करते हैं। इनमें कीमोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, इम्युनोथेरेपी शामिल हैं। साथ ही प्रिसीजन मेडिसीन की मदद से कैंसर का व्यक्तिगत श्तर पर इलाज किया जाता है।

डॉ. अभिनव नरवारिया ने बताया कि 'निदान में देर होने पर या गंभीर मामलों में कैंसर काफी बढ़ जाता है, ऐसे में रोबोटिक सर्जरी, मिनिमली इन्वेज़िव सर्जरी तथा टारगेटेड थेरेपी का उपयोग किया जाता है। ये इलाज काफी सटीक होते हैं तथा तेजी से रिकवरी के साथ बेहतर परिणाम प्रदान करते हैं। इनसे मरीजों को गंभीर स्थितियों में भी आशाजनक इलाज मिलता है।'

उन्होंने बताया कि एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल भारत में विशेषज्ञ कैंसर उपचार उपलब्ध कराने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस हॉस्पिटल में कैंसर केयर सुविधाएं, जिनमें डायग्नोस्टिक्स, मेडिकल मैनेजमेंट, मिनिमली इन्वेज़िव सर्जरी, रोबोटिक सर्जरी और टीकाकरण शामिल हैं।

जागरुकता, निदान और विशेषज्ञ डॉक्टरों की मदद से हॉस्पिटल का उद्देश्य मरीजों को समय पर इलाज कराने में समर्थ बनाना तथा उन्हें एक स्वस्थ जीवन प्रदान करना है। पत्रकार वार्ता के दौरान डॉ. अभिनव नरवारिया, सेल्स मैनेजर मार्केटिंग मयंक तंवर, सेल्स एक्जीक्यूटिव नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सतत विकास और उच्च शिक्षा की भूमिका पर डॉ. सोनी सिंह का व्याख्यान

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

मंगलायतन विश्वविद्यालय, एग्री मीट फाउंडेशन एवं रायल सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा 21 दिवसीय एफडीपी कम ट्रेनिंग कार्यक्रम "अन्नदाता-2025" का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें मंगलायतन विश्वविद्यालय की बायोटेक्नोलॉजी एवं लाइफ साइंसेज विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. सोनी सिंह ने "इंटीग्रेटिंग सस्टेनेबिलिटी एंड हायर एजुकेशन फॉर सोसायटल ट्रांसफॉर्मेशन" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। सोनी सिंह ने कहा कि सतत विकास आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और उच्च शिक्षा संस्थानों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। उच्च शिक्षा संस्थान केवल ज्ञान का प्रसार नहीं करते, बल्कि समाज को रूपांतरित करने की क्षमता रखते हैं। इसी कारण उच्च शिक्षा संस्थानों को पाठ्यक्रम नवाचार के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को सीधे शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद अर्धनारीश्वर शक्ति की भव्य ज्योतिर्लिंग यात्रा शुरू

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

विश्व हिंदू परिषद अर्धनारीश्वर शक्ति, हरिगढ़ महानगर के सदस्यों ने भगवान शिव से विश्व कल्याण हेतु आध्यात्मिक प्रेरणा पाने के लिए बारह ज्योतिर्लिंगों में से नौ ज्योतिर्लिंगों के दर्शन हेतु शुभ यात्रा आरंभ की। यह पावन यात्रा सनातन धर्म के महत्त्वपूर्ण प्रतीक, ज्योतिर्लिंगों की परंपरा को जीवित रखने तथा समाज में सद्भाव, एकता और विश्वशांति फैलाने के उद्देश्य से इस यात्रा पर निकले हैं।

इस नौ ज्योतिर्लिंग यात्रा के दौरान विहिप के महानगर सत्संग प्रमुख ईशान श्रीवाश्तव ने बताया कि यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करेगी, बल्कि वर्तमान समय में विश्व की कठिनाइयों एवं अशांतियों के बीच शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगी। यात्रा के दौरान स्थानीय मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, और भजन कीर्तन आयोजित किए जाएंगे।

अर्धनारीश्वर शक्ति विहिप हरिगढ़ की प्रमुख आरती श्रीवाश्तव ने कहा कि भगवान शिव के इन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने जा रहे हैं हम संकल्पित हैं कि विश्व में प्रेम, शांति एवं समृद्धि का प्रकाश फैलेगा।

इस यात्रा के माध्यम से हम सामाजिक एकजुटता और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा मिलेगा। यह यात्रा सनातन धर्म की अमूल्य परंपराओं को नए युग में मजबूत करने का भी माध्यम है, जिसमें युवा पीढ़ी भी सक्रिय भागीदार बन रहीं है।

इस नौ ज्योतिर्लिंग यात्रा शुभारंभ यात्रा के दौरान विहिप के महानगर सत्संग प्रमुख ईशान श्रीवाश्तव ने सभी माला व पटका पहनाकर सम्मानित कर यात्रा पर रवाना किया। इसमें अलीगढ़ के साथ साथ हाथरस, सिकंदरपुर, हरियाणा की भी अर्धनारीश्वर शक्ति भी यात्रा कर रहीं हैं।

इसमें मुख्य रूप से उपस्थित अर्धनारीश्वर आरती श्रीवाश्तव, गायत्री देवी, अनु , मनीषा, राधा, सीमा देवी आदि मौजूद रहे।

एएमयू के स्कूलों में राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 पर विभिन्न विभागों और विद्यालयों द्वारा जोश और उत्साह से भरे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों के माध्यम से हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी गई और फिटनेस, टीम भावना तथा खेल भावना जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया गया।

होम साइंस विभाग ने दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए। 29 अगश्त को विभागाध्यक्ष प्रो. सबा खान ने विद्यार्थियों से बातचीत की और अनुशासित तथा स्वस्थ जीवन में खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद फिट इंडिया प्रतिज्ञा दिलाई गई। 30 अगश्त को "खेले भी, खिले भी" नारे के साथ पारंपरिक खेल व प्रतियोगिताएँ जैसे खो-खो, 50 मीटर दौड़ और पिट्ठू का आयोजन हुआ।

सैयद हमीद सीनियर सेकेंडरी स्कूल (बॉयज) में विशेष सभा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। स्कूल शिक्षा निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. मोहम्मद आजम खान ने छात्रों से स्क्रीन टाइम कम करने और अधिक से अधिक बाहरी खेलों में भाग लेने की अपील की। शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. मोहम्मद अरशद बारी ने मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों पर विशेष व्याख्यान दिया। इंटर-हाउस प्रतियोगिताओं में भगत सिंह राइडर्स ने बास्केटबॉल, डॉजबॉल और "इन एंड आउट" में जीत हासिल की, जबकि जफर इकबाल पैंथर्स तीनों मुकाबलों में उपविजेता रहे। सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) में तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत सभाओं और खेल प्रतिज्ञा से हुई। उत्साहपूर्ण रस्साकशी मुकाबले में बेगम हजरत महल हाउस ने साइना नेहवाल ब्रिगेड को हराया। पीएचई लैब में योग प्रतियोगिता का पहला पुरस्कार ऋद्धिमा ने जीता, जबकि इनाया और निदा खान क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। मरियम को सांत्वना पुरस्कार मिला। 30 अगश्त को खेले गए खो-खो मुकाबले में मैरी कॉम राइजिंग स्टार्स ने सानिया मिर्जा स्पीडस्टर्स को हराया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में जईमा अर्श प्रथम रहीं, जबकि संजना कश्यप और याशी अग्रवाल को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान मिला। मेजर ध्यानचंद पर भाषण प्रतियोगिता में अनम फातिमा प्रथम रहीं, नबीहा सिद्दीकी और खुशी गौतम संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर, जबकि जुनैरा तीसरे स्थान पर रहीं।

एएमयू एबीके हाई स्कूल (गर्ल्स) में योग, रस्सी कूद, क्रिकेट और साइक्लिंग जैसी गतिविधियाँ हुईं। रस्सी कूद में छात्राओं ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया, जबकि क्रिकेट मैच ने गहरी दिलचस्पी जगाई। कार्यक्रम के अंत में उप-प्रधानाचार्य डॉ. सबा हसन ने विजेताओं को पदक और ट्रॉफियाँ प्रदान कीं। प्राथमिक खंड में बोरी दौड़, चम्मच दौड़, रिले और 50 मीटर दौड़ जैसे खेल आयोजित किए गए, जिनमें हाउस इंचार्जेज ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। एसटीएस स्कूल में इंटर-स्कूल टेबल टेनिस टूर्नामेंट और विभिन्न खेल आयोजित हुए। उद्घाटन प्रो. मोहम्मद आजम खान ने किया। आदित्य सिंह (एसटीएस स्कूल) ने टेबल टेनिस खिताब जीता, जबकि वंश कुमार (एसटीएस स्कूल) उपविजेता रहे और फैसल अहमद (आरएमपीएस सिटी स्कूल) को सांत्वना पुरस्कार मिला।

इसके अतिरिक्त वॉलीबॉल, हॉकी, रस्साकशी और क्रिकेट प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। छोटे बच्चों ने ट्रैक रेस में हिस्सा लिया। प्रिंसिपल फैसल नफीस ने खेल शपथ दिलाई और छात्रों को खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। एएमयू सिटी गर्ल्स हाई स्कूल की छात्राओं ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर आधारित एक नाटक प्रश्तुत किया। नींबू-चम्मच दौड़, रिले, गणितीय दौड़, साइक्लिंग और तीन-पैर दौड़ जैसे खेलों का आयोजन हुआ। साथ ही खो-खो और रस्साकशी प्रतियोगिताएँ भी हुईं। शिक्षकों ने भी म्यूजिकल चेयर्स खेल में भाग लिया। रंगारंग पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र दिए गए। एएमयू गर्ल्स स्कूल में छात्राओं ने इंटर हाउज प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। खो-खो, हॉकी, क्रिकेट, टेबल टेनिस और योग के साथ-साथ पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित हुईं, जिनका विषय था "एक घंटा खेल के मैदान में।" इन कार्यक्रमों का संचालन मोहम्मद इमरान खान ने किया और प्राचार्या आमना मलिक तथा उप-प्राचार्या अल्का अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुए। विजेताओं को प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

अस्पताल के सामने 3 युवकों ने खड़ी की कार और बस में बैठकर हो गए फरार

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। धामपुर-कालागढ़ मार्ग स्थित पुराना दयावती अस्पताल के सामने तीन युवक लावारिस हालत में एक कार खड़ी करके फरार हो गए। कार के दरवाजों के शीशे खुले हुए मिले हैं, 24 घंटे बाद भी युवक कार को लेने नहीं आए। जिससे मकान स्वामिनी को शक होने पर उन्होंने पुलिस को अवगत कराया है। कालागढ़ मार्ग पर पुराना दयावती अस्पताल की इमारत है। इसकी पहली मंजिल पर मकान स्वामिनी सुलक्षणा देवी पत्नी स्व. भूपेंद्र सिंह रहती हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे उनके घर के बाहर एक कार से तीन युवक आए, तीनों ने गेट के पास कार लगा और कुछ देर बाद एक बस में बैठकर वहां से चले गए। कार का नंबर दिल्ली का है, साथ ही कार के दरवाजों के शीशे भी खुले हुए हैं। उनके घर के बाहर लगे सीसीटीवी में कार खड़ी करके जाते समय तीनों युवक कैद हो गए है। सुरक्षणा देवी के मुताबिक पहले उन्होंने सोचा कि कोई व्यक्ति अपनी रिश्तेदारी में आया होगा और कुछ देर बाद कार ले जाएगा। आसपास के घरों में भी पूछताछ करने पर कुछ पता नहीं लगा। लेकिन शनिवार दोपहर तक 24 घंटे बीतने पर भी कोई व्यक्ति कार लेने नहीं आया।

सरकारी स्कूल के सामने खुली शराब की दुकान का विरोध, महिलाओं का प्रदर्शन, धरने की चेतावनी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। बिजनौर के ग्राम जलालपुर काजी की महिलाओं ने गांव में संचालित सरकारी स्कूल के सामने खुली शराब की दुकान हटाए जाने की मांग को लेकर शनिवार को कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। बाद उन्होंने एडीएम वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह को ज्ञापन दिया। उधर आसपा के मंडलीय अध्यक्ष जितेंद्र राणा ने कहा कि यदि इस समस्या का समाधान नहीं किया, तो आसपा एवं भीम आर्मी के कार्यकर्ता ग्रामीणों के साथ शराब की दुकान के सामने धरना देंगे। ग्राम प्रधान पति सौराज सिंह, आसपा के मुरादाबाद मंडलीय अध्यक्ष जितेंद्र राणा, राजेंद्र सिंह, निशा, कमला, सरोज और लक्ष्मी रानी समेत बड़ी संख्या में महिलाएं शनिवार को दोपहर 12 बजे कलक्ट्रेट पहुंची। यहां उन्होंने गांव में खुली शराब की दुकान को हटाए जाने की मांग को लेकर नारेबाजी की।आंदोलित महिलाओं का कहना था कि गांव में सरकारी स्कूल ओर आंबेडकर प्रतिमा के सामने शराब की दुकान संचालित हैं, जबकि नियानुसार स्कूल के निकट शराब कि दुकान संचालित नहीं कि जा सकती। उनका कहना था कि शराब की दुकान पर सुबह दस से रात दस बजे तक लोगों का जमावड़ा लगा रहता हैं और वहां मौजूद लोग गाली-गलौच करते है।

सगी बहनें रहस्यमय ढंग से लापता

✷ एनसीआर टुडे. नूरपुर ✷। इलाके के एक गांव में दो किशोर बहनें रहस्यमय ढंग से घर से चली गई। किशोरी की मां की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। शुक्रवार की सुबह क्षेत्र में एक गांव निवासी सगी बहनें घर से बिना बताए गायब हो गई। देर शाम तक भी किशोरियों के वापस न लौटने पर स्वजन ने उनकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नही लगा। किशोरी की मां ने अज्ञात व्यक्ति पर उसकी बेटियों को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक जयभगवान सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कर लिए जाने की पुष्टि करते हुए किशोरियों की तलाश कराये जाने की बात कही है।

गंगा के पानी में सिल्ट बढ़ने से मध्य गंगा नहर फेज वन फिर बंद

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। पहाड़ों पर बरसात से गंगा में भीमगौड़ा बैराज से अतिरिक्त पानी आने के बाद शुक्रवार रात में गंगा उफन गई। खादर में खेतों में गंगा का पानी भर गया, लेकिन शनिवार को पानी धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। गंगा के पानी में सिल्ट बढ़ने से मध्य गंगा नहर फेज वन को फिर बंद कर दिया गया है। शुक्रवार को ही 22 दिन बाद नहर में पानी छोड़ा गया था। अब सिल्ट कम होने के बाद ही नहर को शुरू किया जाएगा।

पुत्र को नशा मुक्ति केंद्र से निकलवाने के लिए मां ने पुलिस से लगाई गुहार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित नशा मुक्ति केंद्र में करीब नौ माह से भर्ती पुत्र को बाहर निकालने के लिए मां ने पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाई है।

आरोप है कि केंद्र संचालक ने पुत्र को लेने पहुंची मां को उसके पति की सहमति के बाद सौंपने की बात कही है। पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर पति पर पुत्र को जबरन नशा मुक्ति केंद्र में रखने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दिल्ली खजूरी निवासी रेशमा पत्नी नासिर हुसैन का पुत्र साहिल दो वर्ष से नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती है।

महिला ने बताया कि पति ने पुत्र को बिना उनकी मर्जी के भर्ती कराया हुआ है। पति से बेटे का पता पूछने पर वह उन्हें तलाक देने की धमकी देकर चुप करा देता था। करीब छह दिन पहले उन्हें पति के फोन से नशा मुक्ति केंद्र वालों का नंबर मिला।

उस नंबर पर बात करने पर नशा मुक्ति केंद्र लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के टीला गांव सेवाधाम के पास होने का पता चला। इसके बाद वह नशा मुक्ति केंद्र पहुंची तो देखा कि पुत्र दयनीय स्थिति में है। उसके शरीर पर चोट के कई निशान हैं। उन्होंने बताया कि बातचीत करने पर पुत्र ने बताया कि उसके साथ मारपीट की जाती हैं।

पुत्र ने मां से घर ले चलने की बात कही। उसने बताया कि घर नहीं ले जाने पर लोग उसे मार देंगे। बेटे की बात सुनकर परेशान मां ने नशा मुक्ति केंद्र संचालक से बेटे का घर ले जाने की बात कहीं। जिस पर उन्होंने बताया गया कि महिला के पति नासिर हुसैन व उनके साथी सरफराज ने बेटे का नौ माह पहले की केंद्र में भर्ती कराया था।

उन्होंने पति की रजामंदी के बगैर व उनकी अनुपस्थिति में पुत्र को छोड़ने से इंकार कर दिया। जिसपर महिला ने शनिवार को एसीपी अंकुर विहार से मिलकर अपनी शिकायत बताते हुए पुत्र को छुड़वाने की गुहार लगाई।

सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोदीनगर-तिबड़ा मार्ग पर आरओबी बनाने के लिए प्रदर्शन

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर के तिबड़ा मार्ग पर रेलवे फाटक पर रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाने की मांग को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने तहसील पर प्रदर्शन किया।

तहसीलदार रजत कुमार को इस संबंध में ज्ञापन भी दिया गया। मोदीनगर तहसील में शनिवार को प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि मोदीनगर-तिबड़ा मार्ग पर रेलवे फाटक के कारण रोजाना कई घंटे जाम लगता है। जाम के कारण वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। इसकी वजह से पांच मिनट का सफर तय करने में दो घंटे तक लग जाते हैं।

रोजाना इस समस्या से जूझना पड़ता है। इससे स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों को अधिक दिक्कत होती है।

उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में देर हो जाती है। कार्यकर्ताओं की मांग है कि जिस तरह राज चौपले पर आरओबी बनाया जा रहा है। इसी तरह तिबड़ा मार्ग कर भी बनाया जाए।

इस संबंध में रेल मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार रजत कुमार को दिया गया। मौके पर ब्रजेश सैन, सुनील शर्मा, विशाल, चांदवीर, आदित्य, कल्पना, अनुभव, ममता, जमीला, पवनदेव, गौरव और अमर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

रंजिश में पड़ोसियों ने रॉड और डंडे से दंपति को पीटा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों ने दंपति के साथ लोहे की रॉड व लाठी, डंडे से मारपीट की। जिसमें दंपति के सिर, हाथ व पैर में चोट आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पूजा कॉलोनी निवासी सोनू तिवारी की घर के सामने रहने वाले दिनेश से प्लाट पर कब्जे को लेकर पुरानी रंजिश है। उन्होंने बताया कि 19 अगश्त को दिनेश और उसके परिवार के सदस्यों ने लोहे की रॉड, लाठी, डंडे से उनपर हमला कर दिया।

शोर शराबा सुनकर घर में मौजूद महिलाएं लक्ष्मी व प्रीति उन्हें बचाने मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। जिससे उनके सिर, पैर व हाथ में गंभीर चोट आई। आरोप है कि मारपीट के दौरान वह बेहोश होकर गिर गये। जिसपर आरोपी मौके से फरार हो गये। होश आने पर उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायलों को संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची।

जहां चिकित्सक ने उन्हें जीटीबी रेफर कर दिया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्होंने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी।

सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर दिनेश, ललित, मोहित, कविता और दिनेश देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

'नोएडा में रक्षामंत्री और सीएम के आगमन से पूर्व पांचवीं मुठभेड़, शातिर बदमाश घायल'

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

नोएडा में शनिवार की दोपहर को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन से पूर्व पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। यह मुठभेड़ 12 घंटे के अंदर पांचवीं मुठभेड़ रही। इस मुठभेड़ में चोरी और स्नेचिंग करने वाला शातिर बदमाश घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि आज दोपहर थाना सेक्टर-24 पुलिस द्वारा सेक्टर-54 नोएडा में एलिवेटेड रोड के नीचे चेकिंग की जा रही थी, तभी एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति सामने आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल को मोड़कर शमशान घाट की ओर भागने लगा। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया, और जैसे ही मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई, बदमाश जंगल की तरफ भागने लगा। बदमाश ने अपनी जान बचाने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग की। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान बादल पुत्र जीवन निवासी दिल्ली के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक तमंचा मय कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा और उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

भारत की रक्षा में नोएडा का अहम योगदान,हमारे ड्रोन नहीं पकड़ पाएंगे अमेरिका-चीन : रक्षा मंत्री

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा में राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड की निजी एयरो इंजन परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने युद्ध नीति में ड्रोन के बढ़ते महत्व पर जोर दिया और कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सशक्त प्रतिबिंब नोएडा में देखा गया है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में अमेरिका या चीन जैसे देश भी भारत द्वारा विकसित किए गए ड्रोन को डिटेक्ट नहीं कर पाएंगे।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह बड़े गर्व की बात है कि राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित देश की सबसे बड़ी एयरो इंजीनियरिंग टेस्ट बेड राष्ट्र को समर्पित की गई है।

उन्होंने कहा कि पहले जब हम 'विमान' शब्द सुनते थे तो हमारे दिमाग में तेजस या राफेल जैसे लड़ाकू विमानों की तस्वीरें आती थीं, लेकिन अब समय बदल गया है। ड्रोन अब युद्ध क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन को अब उन दुर्गम क्षेत्रों में भी तैनात किया जा रहा है, जहां बड़े उपकरण नहीं पहुंच सकते।

रक्षा मंत्री ने ड्रोन के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शुरुआती दिनों में इनका इस्तेमाल केवल निगरानी और टोही के लिए किया जाता था। लेकिन बाद में कुछ देशों ने लड़ाकू ड्रोन विकसित करना शुरू किया और सीमावर्ती संघर्षों में इनका व्यापक उपयोग किया। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि इस युद्ध में ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ है, जिससे यह समझना जरूरी हो गया है कि हमें अपनी युद्ध नीति में ड्रोन को शामिल करना होगा।

अपने छह-साढ़े छह साल के अनुभव का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आज के रक्षा क्षेत्र की वाश्तविकता विमान प्रौद्योगिकी और ड्रोन पर टिकी है। उन्होंने कहा कि जिन देशों ने इस तकनीक में निवेश किया है, उन्होंने महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है, जबकि अन्य देश पीछे छूट गए हैं।

उन्होंने रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पहले हमें ड्रोन आयात करने पड़ते थे, लेकिन अब हम घरेलू श्तर पर ही ड्रोन का डिजाइन, विकास और निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के कई युवा उद्यमी इस प्रगति में योगदान दे रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन विशाल मिश्रा और सीईओ विवेक मिश्रा की सराहना करते हुए कहा कि ये दोनों युवा देश में वैज्ञानिक क्रांति की मिसाल हैं। उन्होंने दावा किया कि इन दोनों ने मिलकर ऐसी तकनीक विकसित की है, जिससे हमारे ड्रोन को अमेरिका और चीन भी डिटेक्ट नहीं कर पाएंगे।

रक्षा मंत्री ने इस उपलब्धि को भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने दो आवंटियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

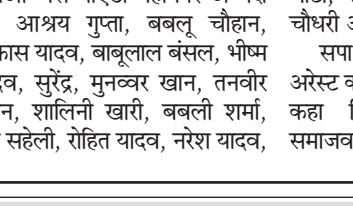

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सहायक महाप्रबंधक उद्योग सिद्धार्थ गौतम ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि ईकोटेक-1 में आवंटित 2000 वर्ग मीटर के औद्योगिक भूखंड के निदेशकों ने धोखाधड़ी करके प्राधिकरण से लाखों रुपए की ठगी की।

आरोप है कि इन निदेशकों ने बैंकों में कम रकम जमा कराई थी, लेकिन धोखाधड़ी करके प्राधिकरण के खाते में अधिक रकम दर्ज करवा दी। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि सहायक महाप्रबंधक उद्योग सिद्धार्थ गौतम की शिकायत पर सतीश सिंघल, इरफान अहमद और अरशद इमाम के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उनका आरोप है कि इन आरोपियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को करीब 27 लाख 50 हजार रुपए का नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा, एक अन्य मामले में सिद्धार्थ गौतम ने पंकज सिंघल, सैयद हुसैन, ताहिर और सैयद आबिद को नामित करते हुए धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है।

इन आरोपियों पर भी प्राधिकरण के खाते में जमा राशि को अधिक दर्शाने का आरोप है, जबकि असल में बैंक में कम रकम जमा की गई थी। इन आरोपियों ने भी प्राधिकरण को लाखों का नुकसान पहुँचाया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सहायक महाप्रबंधक उद्योग की शिकायत पर मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

नोएडा में बढ़ी चोरियां और लूटपाट की घटनाएं, पुलिस कर रही है जांच

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

कासना क्षेत्र में अपने दोशत के साथ बाजार जा रही एक युवती का मोबाइल फोन बाइक सवार बदमाशों ने सरेशाम लूट लिया। वहीं बदमाशों ने नोएडा में एक युवक के घर से लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य सामान चोरी कर लिया है। शिकायत पर पुलिस दोनों मामलों की जांच-पड़ताल कर रही है।

थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि कुमारी लिसा बघेल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपने दोशत के साथ सब्जी खरीदने के लिए जा रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर आए दो अज्ञात बदमाशों ने उसके साथ लूटपाट करनी शुरू कर दी। विरोध करने पनर एक बदमाश उसका मोबाइल फोन लूटकर भाग गया।

उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा थाना फेस-तीन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि मोहम्मद एहतीशामुल हक नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उनके घर से एक मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य की सामान चोरी कर लिया है।

उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में मोहित कुमार गर्ग ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि गेल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट सेक्टर-16ए से रात को अपने घर जा रहा था, तभी अज्ञात बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ के नोएडा दौरे से पहले सपा नेताओं की हाउस अरेस्ट, ज्ञापन सौंपने की तैयारी

✷एनसीआर टुडे. ग्रेट र नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आज के नोएडा दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के जिला और महानगर नेताओं की ओर से नोएडा प्राधिकरण के लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ शिकायती ज्ञापन सौंपे जाने की तैयारी थी।

इस जानकारी के बाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में दर्जनों सपा के वरिष्ठ नेताओं को पुलिस ने उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया।

नोएडा के ग्राम सलारपुर में सपा युवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव अमित भाटी को हाउस अरेस्ट किया गया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए सपा कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट करवा रहे हैं, ताकि कोई भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत न कर सके। वहीं, सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश यादव के आवास पर भी पुलिस ने दशतक दी, लेकिन वे उस वक्त बिहार प्रदेश दौरे पर थे और घर पर नहीं मिले। समाजवादी पार्टी के अन्य नेताओं जैसे नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता, बबलू चौहान, विकास यादव, बाबूलाल बंसल, भीष्म यादव, सुरेंद्र, मुनव्वर खान, तनवीर हुसैन, शालिनी खारी, बबली शर्मा, राम सहेली, रोहित यादव, नरेश यादव, दीपक देसवाल, सतवीर यादव, नेहा शर्मा, मोहित यादव, शिव कुमार यादव, कृपाशंकर, राणा मुखर्जी, उदय सिंह आदि को सेक्टर-51 में पुलिस ने बैठा रखा है। इसके अलावा, ग्रेटर नोएडा में भी मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस ने एक दर्जन से अधिक सपा नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया। इनमें सपा जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी, अक्षय चौधरी, जगवीर नंबरदार, सुभाष भाटी, रोहित मत्ते गुर्जर, कुलदीप भाटी, प्रशांत भाटी, तेज प्रकाश त्यागी, शाहरुख चौधरी आदि शामिल थे।

सपा जिला अध्यक्ष ने इस हाउस अरेस्ट को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार समाजवादी पार्टी से डर गई है।

विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि में वृद्धि

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की अवधि	कुल फेरे
04217	वाराणसी जं.	लखनऊ जं.	प्रतिदिन	31.10.2025	**01.11.2025 से 30.11.2025**	30
04218	लखनऊ जं.	वाराणसी जं.	प्रतिदिन	31.10.2025	**01.11.2025 से 30.11.2025**	30
04090	आनंद विहार ट.	पटना जं.	प्रतिदिन	07.11.2025	**08.11.2025 से 29.11.2025**	22
04089	पटना जं.	आनंद विहार ट.	प्रतिदिन	08.11.2025	**09.11.2025 से 30.11.2025**	22

नोट :– शेष जानकारी पूर्ववत् है

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों की विस्तृत समय–सारणी और श्रेणियों की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App देखें। पर हमें फॉलो करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in | रेलमदद ऐप डाउनलोड करें | उत्तर रेलवे आपकी सुविधा - हमारा ध्येय हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | 2629/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

ई-निविदा (ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एन आई टी : 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78-2025-26-डब्ल्यू-4

1 **काम का नाम (स्थान के साथ) : एन आई टी क्रमांक 67 :** 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/डब्ल्यू/जेएचएल के तहत डीएलआई–बीटीआई अनुभाग में स्टाफ क्वार्टर और सेवा भवन के रखरखाव के लिए वार्षिक ज़ोन कार्य। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 68 : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/डब्ल्यू/जेएचआई के तहत शाखा लाइन जेएचआई–एसएनपी खंड में स्टाफ क्वार्टर और सेवा भवन के रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र कार्य। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 69 : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/डब्ल्यू/आरओके के अधिकार क्षेत्र में डीओबीएच–मेहम–हांसी की शाखा लाइन में स्टाफ क्वार्टर और सेवा भवन के रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र कार्य। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 70 : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/डब्ल्यू/आरओके के तहत अनुभाग के लिए आरओके–पीएनपी और एबीओ–आरई की शाखा लाइन में स्टाफ क्वार्टर और सेवा भवन के रखरखाव के लिए वार्षिक ज़ोन कार्य। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 71 : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/डब्ल्यू/आरओके के तहत डीएलआई–बीटीआई अनुभाग में स्टाफ क्वार्टर और सेवा भवन के रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र कार्य। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 72 : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/डब्ल्यू/जेएचआई के तहत डीएलआई–बीटीआई अनुभाग में स्टाफ क्वार्टर और सेवा भवन के रखरखाव के लिए वार्षिक ज़ोन कार्य। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 73 : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/डब्ल्यू/बीजीजेड के तहत डीएलआई–बीटीआई अनुभाग में स्टाफ क्वार्टर और सेवा भवन के रखरखाव के लिए वार्षिक ज़ोन कार्य। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 74 : डीईएन-IV के अंतर्गत एडीईएन/आरओके खंड में पुलों पर निरीक्षण सीढ़ियों की व्यवस्था करते हुए, पैरापेट दीवार को ऊंचा करना और पुल के पहुंच मार्गों को मजबूत करना। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 75 : DEN-IV के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत NRW,TUN,KZH में पानी की पाइप लाइन की मरम्मत। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 76 : जेएचआई–एसएनपी खंड पर एडीईएन/जेएचआई के अंतर्गत लेवल क्रॉसिंग का सुधार। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 77 : डीईएन/आरओके के अंतर्गत एसएसई/डब्ल्यू/बीजीजेड खंड में केआरजेड स्टेशन पर प्लेटफार्म के निम्न स्तर को उच्च स्तर तक बढ़ाया जाना। **कार्य की समान प्रकृति:** ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

एन आई टी क्रमांक 78 : टीआरआर(पी) 42.833 किमी मुख्य लाइन, 52 किलोग्राम 90यूटीएस रेल की मौजूदा, 60 किलोग्राम 90यूटीएस रेल के साथ पीएससी-6 स्लीपरों पर बिछाई गई, जिसमें डीएलआई–बीटीआई खंड पर इलास्टिक फिटिंग है। **कार्य की समान प्रकृति:** सीटीआर/टीआरआर/टीएफआर/टीटीआर जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, स्क्रीनिंग, ट्रैक को तनावमुक्त करना, ट्रैक रखरखाव मशीन जैसे टैम्पिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रगुलेटिंग मशीन और टी-28 द्वारा टीटीआर के लिए पूर्व और बाद के कार्य शामिल है।

2 **काम की अनुमानित लागत रुपये :**
एनआईटी क्रमांक 67 : रु. 1,84,77,966.78, **एनआईटी क्रमांक 68 :** रु. 89,48,719.93
एनआईटी क्रमांक 69 : रु. 59,12,116.59, **एनआईटी क्रमांक 70 :** रु. 1,39,23,611.76
एनआईटी क्रमांक 71 : रु. 1,24,26,941.11, **एनआईटी क्रमांक 72 :** रु. 1,84,80,605.01
एनआईटी क्रमांक 73 : रु. 1,24,87,604.56, **एनआईटी क्रमांक 74 :** रु. 1,99,99,537.42
एनआईटी क्रमांक 75 : रु. 99,99,809.84, **एनआईटी क्रमांक 76 :** रु. 3,48,65,624.09
एनआईटी क्रमांक 77 : रु. 3,71,33,958.76, **एनआईटी क्रमांक 78 :** रु. 4,31,38,346.29

3 **अग्रिम राशि (रुपये) :** (यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (**नोट:**- रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआरईपीएस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा..।)
एनआईटी क्रमांक 67 : रु. 2,42,400.00 **एनआईटी क्रमांक 68 :** रु. 1,79,000.00
एनआईटी क्रमांक 69 : रु. 1,18,300.00 **एनआईटी क्रमांक 70 :** रु. 2,19,600.00
एनआईटी क्रमांक 71 : रु. 2,12,100.00 **एनआईटी क्रमांक 72 :** रु. 2,42,400.00
एनआईटी क्रमांक 73 : रु. 2,12,400.00 **एनआईटी क्रमांक 74 :** रु. 2,50,000.00
एनआईटी क्रमांक 75 : रु. 2,00,000.00 **एनआईटी क्रमांक 76 :** रु. 3,24,300.00
एनआईटी क्रमांक 77 : रु. 3,35,700.00 **एनआईटी क्रमांक 78 :** रु. 3,65,700.00

4 **काम की समाप्ति अवधि : क्रमांक 67 :** 09 महीने, **क्रमांक 68 :** 09 महीने, **क्रमांक 69:** 09 महीने, **क्रमांक 70 :** 09 महीने, **क्रमांक 71 :** 09 महीने, **क्रमांक 72 :** 09 महीने, **क्रमांक 73 :** 09 महीने, **क्रमांक 75 :** 09 महीने, **क्रमांक 76 :** 08 महीने, **क्रमांक 77 :** 09 महीने, **क्रमांक 78 :** 09 महीने

5 **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय :** 09.05.2025 को 15.00 बजे तक तथा 30.09.2025 को 15.00 बजे निविदा खुलना है।

6 **वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा :** यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सं.: 128-W/260/OET/2025-26/W-IV/NIT-67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78
दिनांक: 29.08.2025 2626/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप का अब भारत और नरेंद्र मोदी को बदनाम करने का जुनून

27 अगस्त को ट्रंप की 50 प्रतिशत टैरिफ सीमा लागू हो गई और भारत इसे एक नियति मानकर स्वीकार करने के अलावा कुछ नहीं कर सकता। ट्रंप भारत को उसकी जगह दिखाने पर अड़े हैं और भारत भी अपनी राह पर अड़ा है, बिना किसी रुकावट के। क्या प्रधानमंत्री मोदी कोई जोखिम उठा रहे हैं? क्या भारत को अमेरिका को एक अटल दुश्मन बना देना चाहिए? संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब नई दिल्ली के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगे हैं, तथा भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

राष्ट्रपति ट्रंप के शब्दों का चयन बीनस्टॉक में किसी मोड़ पर बातचीत करने में मशगूल घोंघे को भी चोट पहुंचाता है। ट्रंप ने भारत को 'घृणित' और 'खराब अर्थव्यवस्था' सहित कई तरह के नामों से पुकारा है और भारत के नंबर एक दुश्मन, पाकिस्तान को खुश करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने उसके पाकिस्तानी जिहादी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर का ऐसे स्वागत किया है जैसे वह पहले खो गया हो और अब मिल गया हो। बार-बार के दावे के बाद, अब फिर ट्रंप अपने संदिग्ध दावे पर वापस आ गए हैं कि भारत और पाकिस्तान को 'युद्धविराम' की मेज तक पहुंचाने वाला उनका ही हाथ था। ट्रंप को डायबिटिक फुट अल्सर है, जो कभी रुकता नहीं और उन्हें उनके भटकते मन से हटाना मुश्किल है, जो इन दिनों भारत के रिकॉर्ड पर पूरी तरह से अटका हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप भारत के प्रति जुनूनी हैं। एक जर्मन अखबार की रिपोर्ट है कि ट्रंप के व्हाइट हाउस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएमओ को फोन किया और घोषणा की कि ट्रंप मोदी को मनाने के लिए फोन पर हैं! लेकिन मोदी के अधिकारियों ने ट्रंप के अधिकारियों को बताया कि मोदी बहुत व्यस्त हैं। जर्मन अखबार ने ट्रंप के चार कॉल गिने और हर बार बताया गया कि मोदी उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन इसमें संदेह है और दावा किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के समर्थक झूठ बोल रहे हैं और सच्ची कहानी जानने के लिए ट्रंप के मगासमर्थकों से बात करनी पड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में मिगा(भारत को फिर से महान बनाओ) और मगा(अमेरिका को फिर से महान बनाओ) के बीच तुलना किया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार अक्षरों वाले मेगागठबंधन की बात की। परन्तु नाम रखने में मोदी के माहिर होने के बावजूद यह चल नहीं पाया।

राष्ट्रपति ट्रंप पांच अक्षरों के चमत्कारी हैं, उनके उपनाम 'ट्रंप' से लेकर उनके 'नोबेल' तक, जिसकी उन्हें चाहत है। ट्रंप सभी देशों के बीच शांति के रक्षक के रूप में पहचाने जाना चाहते हैं। ट्रंप का पसंदीदा हथियार, 'टैरिफ', एक छह अक्षरों वाला भयावह तानाशाही शब्दकोश है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 'व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप' करके भारत-पाक के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोका और युद्धविराम लागू करने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। 'मैं एक बहुत ही शानदार इंसान, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर रहा हूं।

मैंने कहा, 'तुम्हारे और पाकिस्तान के बीच क्या चल रहा है, नफ़रत बहुत ज़्यादा है,' ट्रंप ने दुनिया को यह समझाने की अपनी ताज़ा कोशिश में कहा कि वह शांति और समृद्धि के आदमी हैं, और समृद्धि सिर्फ़ अमेरिका के लिए है। लेकिन मोदी इस बात से सहमत नहीं हैं, कुछ ऐसा जिसके बारे में ट्रंप ने सोचा भी नहीं था कि मोदी ऐसा कर सकते हैं और अब दोनों 'मेरे दोश्त-मेरे दोश्त' नहीं रहे। ट्रम्प ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव 'बहुत लंबे समय से, कभी-कभी सैकड़ों सालों से अलग-अलग नामों से' चल रहा है। 'भारत और पाकिस्तान 1947 में ही स्वतंत्र राष्ट्र बने, जब अंग्रेजों ने भारतीय उपमहाद्वीप पर अपने 200 साल लंबे शासन को समाप्त करने और इसे दो अलग-अलग राष्ट्रों में विभाजित करने का फैसला किया।

इससे पहले, यह क्षेत्र अनेक छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित था।' यह भारत के इतिहास पर ट्रंप की पकड़ है, जिसे वह अपनी आश्तीन पर सम्मान के तमगे की तरह शान से दिखाते हैं, यह जाने बिना कि भारतीय कोबरा, ट्रंप और उनके वयस्क बच्चों को पुरानी दुनिया में अपने पूर्वजों के बारे में जितना पता है, उससे कहीं ज़्यादा भारतीय इतिहास जानता है, जहां से ट्रंप के माता-पिता संयुक्त राज्य अमेरिका आए थे। लेकिन ट्रंप अपने बंद दिमाग की खोली में रहते हैं और अपने राष्ट्रपति पद के कार्यकाल का अध्याय इस एहसास के साथ बंद करना चाहते हैं कि वह अब तक के नंबर 1 राष्ट्रपति हैं, इसलिए सावधान रहें! ऐसे राष्ट्रपति के बारे में क्या कहा जाए, सिवाय उस दिन पछताने के जब राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस के एक रात्रिभोज में ट्रंप का मज़ाक उड़ाया था और ट्रंप ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और राष्ट्रपति पद के लिए दौड़े, और एक नहीं, बल्कि दो बार सफलता का स्वाद चखा? अब, राष्ट्रपति ट्रंप अपनी ही विकृत मानसिकता की खोज में एक अजीबोगरीब बहादुरी दिखा रहे हैं, उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि कौन सा देश, भारत समेत, हाशिये पर जा रहा है।

27 अगस्त को ट्रंप की 50 प्रतिशत टैरिफ सीमा लागू हो गई और भारत इसे एक नियति मानकर स्वीकार करने के अलावा कुछ नहीं कर सकता। ट्रंप भारत को उसकी जगह दिखाने पर अड़े हैं और भारत भी अपनी राह पर अड़ा है, बिना किसी रुकावट के। क्या प्रधानमंत्री मोदी कोई जोखिम उठा रहे हैं? क्या भारत को अमेरिका को एक अटल दुश्मन बना देना चाहिए? क्या ट्रंप के टैरिफ के गुस्से के बाद आई तमाम परेशानियों के लिए यह उचित है? सच है, यह एक जुआ है, भारत के इतिहास में एक विराम है और इसे इस ट्रंप ने रचा है जो दावा करता है कि वह भारतीय इतिहास को अपने हाथ की हथेली की तरह जानता है। ट्रम्प ने कहा, 'मैंने कहा, मैं आपके साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करना चाहता...आप लोग परमाणु युद्ध में उलझने वाले हैं...मैंने कहा, मुझे कल फिर से फोन करना, लेकिन हम आपके साथ कोई समझौता नहीं करने वाले हैं।' आप पर टैरिफ इतने ज़्यादा हैं कि आपका सिर घूम जाएगा... लगभग पांच घंटे के अंदर ही ये हो गया... अब शायद ये फिर से शुरू हो जाए। मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो मैं इसे रोक दूंगा। हम ऐसी चीजें नहीं होने दे सकते।'

इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने दुनिया भर में सात युद्ध रोके हैं, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का युद्ध भी शामिल है। उन्होंने मीडिया को बताया कि इनमें से कुछ युद्ध इन संघर्षों में शामिल देशों पर उनके टैरिफ लगाने की वजह से रुके थे। 'मेरे पास टैरिफ और व्यापार दोनों थे, और मैं कह सकता था, अगर आप लड़ने जाते हैं और सबको मारना चाहते हैं, तो कोई बात नहीं, लेकिन जब आप हमारे साथ व्यापार करेंगे तो मैं आप सभी पर 100प्रतिशत टैरिफ लगाऊंगा। उन्होंने सबने हार मान ली। मैंने ये सारे युद्ध रोक दिए हैं। एक बड़ा युद्ध भारत और पाकिश्तान के बीच होता...' ट्रंप ने कहा कि भारत-पाकिश्तान युद्ध अगले श्तर का, एक परमाणु युद्ध होने वाला है! 'खैर, अब कोई युद्ध नहीं चल रहा है। मैंने कई मौकों पर इसका इश्तेमाल किया है। मैंने व्यापार और जो भी मेरे पास था, सब इश्तेमाल किया।' भारत ट्रंप पर ज़रा भी विश्वास नहीं करता, जो कोई जिहादी जनरल असीम मुनीर के साथ बैठकर व्यापार, टैरिफ, परमाणु हथियार और क्रिप्टोकरेंसी की बातें करते हुए बड़े हैमबर्गर का मज़ाक उड़ा सकता है, उसकी बात सुनने लायक नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया को कहां ले जाएंगे, यह तो भविष्य ही बताएगा। फ़लिहाल, सारा दोष राष्ट्रपति बराक ओबामा पर है, जिन्हें व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में ट्रंप का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए था।

भारत-जापान दोस्ती, नए वैश्विक संतुलन की कोशिश

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे।

आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, चीन अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है।

ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है।

मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है।

जापान भारत का पुराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव केवल आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया।

आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के

साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके।

वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं।

इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी।

हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं।

भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोश्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है।

भारत-जापान की दोश्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विश्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर 'क्वाड' को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रुवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर 'चीन-प्लस-वन' रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी।

जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है।

यह मित्रता 'सॉफ्ट पावर' के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित। बल्कि यह लोकतंत्र, शांति, प्रौद्योगिकी और मानवता पर आधारित एक नए वैश्विक युग की नींव है।

निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी की दो दिवसीय यह यात्रा न सिर्फ भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई देने का मौका होगी बल्कि एशियाई कूटनीति में भारत की भूमिका को और मज़बूत करेगी। भारत-जापान का नया दौर विश्व को दो संदेश देता है कि शक्ति का संतुलन केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और नैतिक मूल्यों से बनेगा। एशिया का भविष्य भारत और जापान की साझेदारी से निर्धारित होगा, जो दुनिया को स्थिरता और संतुलन की दिशा देगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

'राजनीति में भाषा की गरिमा : लोकतंत्र की आत्मा की रक्षा'

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना आवश्यक हैं, लेकिन जब यह अभद्रता और घृणा का रूप ले लेती है, तो समाज की आत्मा को चोट पहुँचती है। नेताओं द्वारा अपशब्दों और व्यक्तिगत हमलों का प्रयोग लोकतंत्र की गरिमा के लिए घातक है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए राजनीतिक संवाद में शिष्टता, संयम और सम्मान अनिवार्य हैं। वैचारिक मतभेद स्वीकार किए जा सकते हैं, पर भाषा और व्यवहार की मर्यादा बनाए रखना ही लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखता है। राजनेताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके शब्द समाज को बांटे नहीं, बल्कि जोड़ें और प्रेरित करें...

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र केवल बहुसंख्यक मतदान और शासन प्रणाली तक सीमित नहीं है। यह समाज की सोच, नैतिकता, संवाद की गुणवत्ता और व्यक्तिगत आचरण का प्रतिबिंब भी है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह समाज को सतत सुधार और विकास की ओर प्रेरित करता है। लेकिन जब असहमति अभद्रता, कटुता और घृणा के रूप में प्रकट होने लगे, तब यह केवल राजनीतिक बहस नहीं रह जाती; यह समाज की आत्मा पर चोट पहुँचाती है।

वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि राजनीतिक संवाद का श्तर लगातार गिर रहा है। नेताओं के भाषणों में पहले की अपेक्षा अधिक व्यक्तिगत आरोप, अपमानजनक टिप्पणियाँ और कटु शब्दावली का प्रयोग हो रहा है। यह केवल राजनीतिक असहमति का विश्तार नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की गरिमा के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। लोकतंत्र के मूल मूल्य में शामिल है-विचारों का सम्मान, विरोधियों के प्रति सहिष्णुता और संवाद की मर्यादा। जब ये मूल्य अनदेखा किए जाते हैं, तो समाज में असंतुलन और सामाजिक कट्टरता की स्थिति उत्पन्न होती है।

एक महिला होने के नाते यह अत्यंत पीड़ादायक है कि राजनीतिक भाषणों में महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अभद्र टिप्पणियाँ की जाती हैं। यह केवल व्यक्तिगत हमला नहीं है, बल्कि यह समाज के नैतिक ताने-बाने पर भी चोट है। किसी भी ज़िम्मेदार नेता द्वारा अशोभनीय और असंसदीय विशेषणों का प्रयोग लोकतंत्र और उसकी गरिमा के लिए घातक होता है। नेताओं को यह समझना होगा कि उनके शब्द केवल उनके समर्थकों तक सीमित नहीं रहते; उनका प्रभाव समाज के हर वर्ग और पीढ़ी पर पड़ता है।

इतिहास हमें यह सिखाता है कि राजनीति में गरिमा और शालीनता बनाए रखने से ही समाज स्थिर और सभ्य रहता है। देश ने अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं को देखा है, जिनके समय में राजनीतिक असहमति के बावजूद संवाद का श्तर उच्च रहा। वे अपने विपक्षियों का सम्मान करते थे, वैचारिक मतभेद होने पर भी व्यक्तिगत अपशब्दों का प्रयोग नहीं करते थे। उनका आदर्श यही था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं, बल्कि समाज को शिक्षित, संगठित और सुसंस्कृत बनाना भी है। आज जब हम उनके दौर से तुलना करते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान में राजनीतिक संवाद अपने नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से बहुत दूर चला गया है।

भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं है। यह विचारों का माध्यम, संस्कारों का प्रतिबिंब और सामाजिक दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति है। जब भाषा अशोभनीय और अपमानजनक हो जाती है, तो यह न केवल व्यक्तियों को अपमानित करती है, बल्कि समाज में आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को भी कमजोर करती है। असहमति का अर्थ यह नहीं कि विरोधी के प्रति घृणा व्यक्त की जाए। असहमति का अर्थ यह है कि आप अपने विचार स्पष्ट करें, लेकिन सम्मान, सहिष्णुता और तर्क की मर्यादा बनाए रखें। आज की राजनीति में अपशब्दों और अभद्रता की प्रवृत्ति का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह समाज में नई पीढ़ी के लिए उदाहरण स्थापित करती है। जब युवा नेताओं और समर्थकों के संवाद में अशोभनीय भाषा का प्रयोग देखेंगे, तो वे इसे सामान्य मानने लगेंगे।

यह समाज की नैतिक पतन की ओर पहला कदम है। ऐसे में आवश्यक है कि हम राजनीतिक नेताओं से अपेक्षा करें कि वे अपने भाषणों और व्यवहार में मर्यादा का पालन करें। लोकतंत्र केवल कानून और संविधान तक सीमित नहीं; यह समाज की नैतिक चेतना और मूल्य प्रणाली पर भी आधारित है।

राजनीति में गरिमा बनाए रखने का अर्थ केवल विरोधियों का सम्मान करना ही नहीं है, बल्कि यह अपने समर्थकों और अनुयायियों के लिए भी नैतिक मार्गदर्शन करना है।

जब नेता शालीन भाषा का प्रयोग करते हैं, तो वह समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है। यह वातावरण विभिन्न विचारों, मतभेदों और बहस के लिए सुरक्षित मंच प्रदान करता है। इसके विपरीत, अशोभनीय और अपमानजनक भाषा समाज में भय, द्वेष और असहमति को बढ़ाती है।

संपूर्ण लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि नेताओं में नैतिक चेतना और शब्दों की शक्ति की समझ विकसित हो। शब्द केवल माध्यम नहीं हैं; ये समाज की सोच, संस्कृति और भविष्य को आकार देते हैं। यदि राजनीतिक नेतृत्व अपने शब्दों की गंभीरता को समझे और संवाद में मर्यादा बनाए रखे, तो समाज में सम्मान, शांति और सहयोग की भावना स्वाभाविक रूप से विकसित होगी।

भले ही राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन व्यक्तिगत हमलों और अपशब्दों के बिना असहमति को व्यक्त किया जा सकता है। इसके लिए नेतृत्व को अपनी भाषा की संवेदनशीलता और प्रभाव को समझना होगा। लोकतंत्र में असहमति के लिए जगह हमेशा होनी चाहिए, लेकिन वह सम्मानजनक और सभ्य होनी चाहिए। यह प्रक्रिया समाज में न्याय, समानता और मानवता के मूल्यों को मजबूत करती है। साथ ही, राजनीतिक संवाद में महिलाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजनीति केवल पुरुषों का क्षेत्र नहीं है; समाज की आधी शक्ति महिलाओं में है। जब राजनीति में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा प्रयोग होती है, तो यह समाज के बड़े हिस्से को चोट पहुँचाती है। महिलाओं की गरिमा और सम्मान का ध्यान रखना न केवल नैतिक दायित्व है, बल्कि यह लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा भी करता है।

हमारे समाज ने देखा है कि जब नेता मर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। यह परिवर्तन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक, नैतिक और सांस्कृतिक रूप में भी होता है।

भाषा की गरिमा बनाए रखने से युवा पीढ़ी सही मूल्य और नैतिक दृष्टिकोण सीखती है। इसके विपरीत, अपशब्दों और अभद्रता की प्रवृत्ति समाज में हिंसा, द्वेष और असहमति को जन्म देती है। इसलिए, अब समय आ गया है कि राजनीति में फिर से शिष्टता, गरिमा और सम्मानजनक भाषा का पुनर्जागरण हो। नेताओं को अपने भाषणों और सार्वजनिक संवाद में संयम, विवेक और शालीनता बनाए रखना होगा। यह केवल राजनीतिक नैतिकता की आवश्यकता नहीं, बल्कि यह लोकतंत्र और समाज की आत्मा की रक्षा का माध्यम भी है।

लोकतंत्र में स्वस्थ संवाद के बिना समाज का विकास असंभव है। राजनीतिक असहमति को अभद्रता में बदलने की प्रवृत्ति समाज को कमजोर करती है। अतः सभी राजनीतिक दलों, नेताओं और समाज के जागरूक नागरिकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भाषा और संवाद का श्तर उच्च बना रहे। यह केवल शब्दों का संघर्ष नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता, संस्कार और लोकतांत्रिक मूल्य संरचना की रक्षा है। अंततः, लोकतंत्र केवल कानून और संविधान तक सीमित नहीं है।

यह समाज की नैतिक चेतना, संवाद की शालीनता और नेतृत्व की जिम्मेदारी पर भी आधारित है। जब राजनीतिक भाषा गरिमामय होगी, तभी लोकतंत्र की वाश्तविक शक्ति और समाज की एकता सुरक्षित रह सकेगी। आज समय है कि हम सब मिलकर राजनीति में भाषा की गरिमा की पुनर्स्थापना करें, ताकि लोकतंत्र की आत्मा स्वस्थ और समाज का भविष्य उज्ज्वल बना रहे।

सरकार को परेशान करेगी संघ प्रमुख के 'मन की बात'

जगदीश रत्तनानी

कुछ व्यवसायों या सेवाओं को महान सेवाओं के रूप में देखना असामान्य नहीं है क्योंकि यह देखा जाता है कि उनका क्या असर होता है- शिक्षा नागरिकों की एक नई पीढ़ी को प्रभावित करती है और चिकित्सा बीमारों को ठीक करती है। इन दोनों क्षेत्रों को बाजार की गलाकाट स्पर्धा से बाहर रखने इच्छा है, खासतौर पर उस समय जब यह स्पर्धा अन्य क्षेत्रों में जारी है जिसे हम विकास कहते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि स्वास्थ्य और शिक्षा आम भारतीयों की पहुंच से बाहर हैं। एक बात दोहराने के बावजूद उन्होंने व्यवस्था के सिर पर कील ठोंक दी है। इस महीने की शुरुआत में इंदौर में किफायती कैंसर देखभाल सुविधा के उद्घाटन के दौरान भागवत ने कहा कि 'अच्छी स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा सुविधाएं तथा इसकी सभी योजनाएं आज समाज के प्रत्येक व्यक्तिके लिए आवश्यकताएं बन गई हैं लेकिन दुर्भाग्य से दोनों क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं आम आदमी की पहुंच और वित्तीय क्षमता से परे हैं।'

कुछ लोग इसे भाजपा का वैचारिक आधार आरएसएस के प्रमुख द्वारा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की नीतियों और विकास के उसके मॉडल की परोक्ष आलोचना के रूप में देखेंगे। आखिरकार यह टिप्पणी विकास के एक प्रमुख पहलू 'विकासशील भारत' को छूती है जिसे सरकार द्वारा पैक किया और बेचा जा रहा है- 'जिसमें सश्ती शिक्षा और स्वास्थ्य' नहीं है जो विकास को अपने पैरों पर खड़े होने के लिए आवश्यक है।

वैसे किसी भी राजनीतिक सोच से परे होकर देखें तो भागवत और आरएसएस की बुलंद आवाज इस मामले में भाजपा शासन के तहत भारत में एक ज्वलंत मुद्दे को उजागर करने का काम करती है जिसे आम नागरिक दिल की गहराईयों तक महसूस करता है। यह एक सीधा-सादा तथ्य है कि शिक्षा का श्तर बेहतर होने के बजाय वह आम लोगों की पहुंच से बाहर हो रही है। स्वास्थ्य एक ऐसा व्यवसाय बन गया है जो मरीज की देखभाल की बजाय निवेश, आईपीओ और प्रोत्साहन के संबंध में बोला जाता है। कुछ शर्मनाक प्रथाएं विकास के पैरों तले पनपती हैं।

इसके साथ ही भारत में कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा में विश्वश्तरीय सुविधाएं भी उपलब्ध हैं ताकि हम आम तौर पर विपन्नता के सागर में विश्वश्तरीय टापुओं के साथ रह सकें। कुछ व्यवसायों या सेवाओं को महान सेवाओं के रूप में देखना असामान्य नहीं है क्योंकि यह देखा जाता है कि उनका क्या असर होता है- शिक्षा नागरिकों की एक नई पीढ़ी को प्रभावित करती है और चिकित्सा बीमारों को ठीक करती है। इन दोनों क्षेत्रों को बाजार की गलाकाट स्पर्धा से बाहर रखने इच्छा है, खासतौर पर उस समय जब यह स्पर्धा अन्य क्षेत्रों में जारी है जिसे हम विकास कहते हैं। आरएसएस प्रमुख ने एक तरह से इस बात को दोहराते हुए कहा- 'पहले स्वास्थ्य और शिक्षा एक सेवा के रूप में माने गए थे लेकिन आज दोनों का व्यवसायीकरण हो गया है। दूसरी तरफ नीति में ठोस परिवर्तन के बिना स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों को सर्वसामान्य के लिए आसान बनाने हेतु समाज को जागृत करना, लागत कम रखना या उन्हें मोटे तौर पर डी-मार्केटाइज़ करने की बात करना एक ऐसे समाज में दान और दयालुता की आशा करना है जो अत्यधिक बाजारीकृत हो गया है।

प्रसिद्ध अकादमिक और लेखक माइकल सैंडल मार्केट इकॉनामी और मार्केट सोसायटी के बीच अंतर की बात करते हैं- मार्केट सोसायटी दक्षता ला सकती है जबकि मार्केट इकॉनामी हर चीज पर कीमत लगाती है ताकि ऐसा कुछ भी न हो जिसे पैसा नहीं खरीद सकता। यह तर्क देना संभव है कि भारत लगभग 'कानूनी' तौर पर मार्केट इकॉनामी बन गया है लेकिन 'वाश्तव' में एक मार्केट सोसायटी के रूप में काम करता है जो एक ऐसे देश के लिए उल्लेखनीय रूप से उपयोगी नहीं है जिसके संविधान की प्रश्तावना में 'समाजवादी' शब्द है। शायद ही कुछ ऐसा है जिसे शीर्ष 1 प्रतिशत नहीं खरीद सकते हैं- हिफाजत, सुरक्षा और सफलता के लिए वे इतना कमाते हैं कि अपने खर्चों का खुद भुगतान कर सकते हैं। चूंकि केवल कुछ ही भुगतान कर सकते हैं इसलिए बाकी पीड़ति होंगे, वे शिकायत करेंगे और दुख जाहिर करेंगे कि असमानता हर क्षेत्र में, विशेष रूप से अस्पतालों और स्कूलों में किस तरह का खेल खेलती है।

इस प्रकार की व्यवस्था में स्वास्थ्य बीमा कंपनियां अपनी पाई-पाई क्यों न वसूल करें, चिकित्सा शिक्षा में सक्रिय उद्योग अत्यधिक शुल्क के बिना कैसे जीवित रह सकती है तथा डॉक्टरों या शिक्षकों को कम वेतन के लिए क्यों समझौता करना चाहिए? डॉक्टरों और शिक्षकों को भी आवास, यात्रा, उपकरण, सामग्री और सीखने की आवश्यकता होती है- जो सभी महंगे हैं तथा जिनका बाजारीकरण किया जाता है। क्षेत्र-विशेष में काम करने वाली परोपकारी संस्था (सेक्टोरल चैरिटी) आंशिक रूप से काम करेगी। वाश्तव में भारत के कुछ सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों एवं शैक्षणिक संस्थानों को आधिकारिक तौर पर चैरिटी संस्थानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वैसे वाश्तविक रूप से बहुत कम संस्थाएं धर्मार्थ हैं। बाजार का आदेशात्मक रुख सारी व्यवस्था को नियंत्रित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि समय के साथ अधिकांश आम भारतीय इस लाभ से दूर रहें।

एक न्यूनीकरणवादी दृष्टिकोण जो कर्तव्य, जिम्मेदारी या सामान्य रूप से एक गैर-आर्थिक मानसिकता के विचार को इंजेक्ट करना चाहता है, चुनिंदा रूप से यह पहचानने से इनकार करता है कि समस्या बहुत व्यापक है। इस मामले में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र की विफलता एक बड़ी समस्या, विकास की काल्पनिक कहानी एवं काल्पनिक विशाल अर्थव्यवस्था का लक्षण हैं जो आंकड़े तो देखती है लेकिन उद्देश्य नहीं, जिसने अपने शानदार हवाई अड्डों और बुलेट ट्रेनों में चमकने की चाह में सीढ़ी के निचले पायदान पर बैठे लोगों की अनदेखी की है।

यह वह नजरिया है जिसके कारण भागवत ने एक मंत्री का बयान उद्धृत किया जिसमें कहा गया है कि शिक्षा 10 खरब डॉलर का व्यवसाय है या वाश्तव में नीति आयोग ने एक पेपर में लिखा है जिसमें निम्नलिखित बातें कही गई हैंः 'स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों (उद्यम पूंजी और निजी इक्विटी) की काफी रुचि देखी गई है, जिसमें लेनदेन का मूल्य वर्ष 2011 के 940 लाख अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2016 में 1, 2750 लाख अमेरिकी डॉलर हो गया है- जो 13.5 गुना से अधिक की वृद्धि है... वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनियों द्वारा किए गए निवेशों ने एक आकर्षक स्वास्थ्य सेवा निवेश के गंतव्य के रूप में भारत में बाजार की धारणा को मजबूत किया है।'

इस राश्ते पर बने रहने का मतलब मुसीबत मोल लेना है। कोई भी निजी इक्विटी या उद्यम पूंजी सेवा के उद्देश्य के लिए नहीं आती है। इस जाल से बाहर निकलने के लिए भारत सरकार को पुनर्विचार करना होगा व विकास की कहानी के उद्देश्य को फिर से खोजना होगा। हम कहते हैं कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन इसका क्या मतलब है जब भारतीय आबादी के शीर्ष 10 फीसदी के पास कुल राष्ट्रीय धन का 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है जबकि सबसे गरीब आधी आबादी अपनी संपत्ति में केवल 1प्रति सैकड़ा की वृद्धि देखती है। आक्सफैम की हालिया रिपोर्ट में इसका उल्लेख है। फिर भी हमारे आसपास ऐसे मॉडल हैं जिन्होंने अद्भुत काम किया है। वे न केवल भारत को बल्कि दुनिया को धर्म के वाश्तविक अर्थ बताते हुए उस पर चलने का राश्ता दिखाते हैं। उनमें से एक प्रसिद्ध अरविंद आई केयर सिस्टम है, जो एक ऐसा प्रकाशश्तंभ है जो अपनी सेवाओं की मार्केटिंग पर एक रुपया भी खर्च नहीं करता है बल्कि सबसे दूर और सबसे कमजोर लोगों तक पहुंचने के लिए संसाधनों को बाहर निकालता है। यह गांधी की पसंदीदा पुश्तक 'अन टू दिस लास्ट' का एक जीवंत उदाहरण है। अरविंद एक ऐसी प्रणाली है जो जिस तरह चमकती है वैसा ही काम भी करती है। इसे हासिल करने के लिए एक अलग किस्म के संकल्प की आवश्यकता होती है जो उद्देश्य और विनम्रता की उच्च भावना में निहित है न कि प्रचार या प्रभुत्व के अधिकार की अतिरंजित भावना में है जो आज भारत की पहचान बन गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

सांसदों की वेतन बढ़ोतरी के खिलाफ 20 हजार छात्रों का प्रदर्शन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई संसद सदस्यों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी के खिलाफ राजधानी जकार्ता में इन दिनों हजारों छात्र सड़कों पर हैं, जिनकी तादाद करीब 20 हजार है। प्रदर्शनरत छात्र संसद भवन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में पुलिस ने पानी की बौछार की और कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। इससे कई छात्र घायल हो गए।

ब्राजील में आपराधिक नेटवर्क से जुटी 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर की संपत्ति जब्त

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को देशभर में चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत 1.2 अरब रियाल (करीब 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई ईंधन क्षेत्र और निवेश फंड्स के जरिये चलाए जा रहे एक विशाल मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क से जुड़ी हुई थी। अधिकारियों ने 14 जगहों पर तलाशी और जब्ती वारंट तथा 14 गिरफ्तारी वारंट जारी किए, जिनमें से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। न्याय मंत्री रिकार्डो लेवानडोव्स्की ने इसे देश के इतिहास में संगठित अपराध के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक बताया। हालांकि, संघीय अधिकारियों ने किसी भी व्यक्ति या कंपनी का नाम नहीं बताया, क्योंकि जांच अभी गुप्त और जारी है। लेकिन साओ पाउलो के अभियोजकों ने कहा कि यह नेटवर्क ब्राजील के कुख्यात आपराधिक गिरोह फर्स्ट कैपिटल कमांड से जुड़ा हुआ है।

म्यांमार में केएनयू आतंकवादी संगठन घोषित

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर करेन नेशनल यूनियन (केएनयू) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। यह संगठन देश का एक बड़ा जातीय विद्रोही समूह है। अब इसके साथ किसी भी तरह की गतिविधि करना, यहां तक कि तीसरे पक्ष द्वारा संपर्क करना भी गैरकानूनी होगा। करेन नेशनल यूनियन देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में सक्रिय है और 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद से लगातार अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ाई लड़ रहा है। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। तभी से केएनयू और सेना के बीच लगातार और तीखी लड़ाई हो रही है। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब महज चार महीने बाद 28 दिसंबर से सेना-नियोजित चुनाव होने हैं। केएनयू पहले ही एलान कर चुका है कि वह इन चुनावों को बाधित करेगा। अब आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद इसके लिए किसी भी तरह की गतिविधि करना, चाहे वह सिर्फ प्रचार या जानकारी फैलाने का शांतिपूर्ण तरीका ही क्यों न हो, गैरकानूनी हो गया है।

ट्रंप प्रशासन ने सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में मदद मांगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते शिकागो के बाहर स्थित एक सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में सहयोग मांगा है। यह कदम इस बात का संकेत देता है कि देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में कड़ी कार्रवाई कैसी दिख सकती है। नेवल स्टेशन ग्रेट लेक्स के प्रवक्ता मैट मोगल ने बुधवार को बताया कि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने बेस से सीमित सहयोग की मांग की है, जिसमें सुविधाएं, ढांचा और अन्य लॉजिस्टिक मदद शामिल है। यह अड्डा शिकागो से करीब 56 किलोमीटर (35 मील) उत्तर में स्थित है। यह अनुरोध उस समय आया है, जब रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ हफ्ते पहले वाशिंगटन डीसी में अपराध, इमिग्रेशन और बेघर लोगों की समस्या से निपटने के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। दो महीने पहले इसी तरह सैनिकों को लॉस एंजिलिस भेजा गया था। हालांकि शिकागो के लिए प्रशासन की योजनाओं के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शहर के नेता कई संभावनाओं के लिए तैयार हो रहे हैं- जैसे सैनिकों को इमिग्रेशन गिरफ्तारी में लगाना या फिर सड़कों पर गश्त कराना आदि। पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, हम नहीं चाहते कि किसी तरह का डर फैलाया जाए।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं 31 मिसाइलें और 598 ड्रोन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने पूरे देश में 598 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 31 मिसाइलें दागीं। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्कачेंको ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहा है। त्कачेंको ने कहा कि रूस ने वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने में सक्षम ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

हमले पर दुनियाभर के लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद-जेलेंस्की : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, रूस बातचीत की मेज के बजाय बैलिस्टिक हथियारों को चुनता है। हम दुनिया के उन सभी लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं जिन्होंने शांति की अपील की थी, लेकिन सैद्धांतिक रुख अपनाने के बजाय अक्सर चुप रहते हैं।

दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय पर भी हमले : कीव में यूरोपीय संघ मिशन, एक ब्रिटिश सरकार के सांस्कृतिक भवन के साथ-साथ दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय भी रूसी हमले में क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रूस की इस हरकत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एएफपी के पत्रकारों ने बचावकर्मियों को रिहायशी इलाकों और अपार्टमेंट ब्लॉक से कई मृतकों के शरीर को बैग में भरकर ले जाते देखा, जब वे सुलगते मलबे में खोजबीन अभियान चला रहे थे।

चारों ओर उड़ रहे थे कांच : एक हमले के पास पार्किंग में मौजूद गैलिना शचरबक ने एएफपी को बताया, हमले के बाद चारों ओर काँच उड़ रहे थे... बम फटने पर हम चीख रहे थे। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि मॉस्को ने 629 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कीव द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, यह युद्ध का दूसरा सबसे बड़ा हमला है।

563 ड्रोन और 26 मिसाइलें रोकने का दावा : यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने रात भर में 598 लड़ाकू और जासूसी ड्रोन भेजे और 31 मिसाइलें भी दागी। यूक्रेनी एयर डिफेंस ने इनमें से 563 ड्रोन और 26 मिसाइलों को रोक लिया। ये 13 स्थानों पर जमीन से टकराई और 26 स्थानों पर इनका मलबा गिरा। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको के अनुसार, मारे गए लोगों में 17 और 14 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं।

किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने हमारे शहरों और समुदायों के खिलाफ एक और बड़ा हमला किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की है और कहा है कि रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक उद्यमों और हवाई अड्डों पर जोरदार हमले को अंजाम दिया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इस हमले में लंबी दूरी से सटीक निशाना लगाने वाले हवाई हथियार, किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलें और लड़ाकू ड्रोन शामिल थे। मंत्रालय ने कहा, हमलावर अभियान सफल रहा और इसने अपने लक्ष्यों को हासिल किया।

ट्रंप की मुहिम को झटका : यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी मिसाइलों और ड्रोनों ने राजधानी कीव में अपार्टमेंट ब्लॉकों को तहस-नहस कर दिया, जिसमें चार बच्चों सहित कम से कम 23 लोग मारे गए। ये हमले ऐसे वक्त पर हुए हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर से लेकर शांति समझौते तक की बातचीत की कोशिशों में जुटे हैं। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ऐसे हमले शांति प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं।

सीमा से जुड़े भूमि बंदरगाहों को बंद करने पर आया बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने गुरुवार को जनता का पैसा बचाने के नाम पर तीन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का फैसला लिया है। इसके अलावा एक और बंदरगाह, जिसका निर्माण कार्य चल रहा था उसे भी रोक दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन बंदरगाहों पर कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं हो रही थी, इसलिए खर्च में कटौती करने के लिए और करदाताओं पर से बोझ कम करने के लिए इन्हें बंद करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि यह भूमि बंदरगाह भारत की सीमा पर स्थित हैं। मई और जून में भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली ट्रांस शिपमेंट सेवा को निरस्त कर दिया था और व्यापार के लिए केवल कोलकाता और मुंबई के बंदरगाह का इस्तेमाल करने के लिए कहा था।

यूनुस सरकार के मुख्य प्रेस सलाहकार शफीकुल आलम ने कहा कि बंदरगाहों को बंद करने का यह निर्णय प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में लिया गया।

बंद किए जाने वाले बंदरगाहों में नीलफामारी में चिलाहाटी बंदरगाह शामिल है, जो कि पश्चिम बंगाल के हल्दीबाड़ी से जुडा हुआ है। इसके अलावा चुआडांगा में दौलतगंज भूमि बंदरगाह है, जो पश्चिम बंगाल के मझदिया से जुडा है। इसके अलावा रंगमती में तेगामुख भूमि बंदरगाह है जो मिजोरम के देमागरी से जुड़ा हुआ है।

बांग्लादेश सरकार के मुताबिक इसके अलावा त्रिपुरा के खोवाई से जुड़े हबीगंज में बल्ला भूमि बंदरगाह पर का भी संचालन बंद कर दिया गया है। इस बंदरगाह पर अभी भारत की तरफ से काम पूरा नहीं किया गया है। आलम ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के राजनेता कभी-कबी राजनीतिक कारणों से इन बंदरगाहों को खोलने और संचालित करने का दबाव डालते हैं लेकिन वास्तव में इन सुविधाओं के माध्यम से कोई व्यापार नहीं हुआ है और इनसे सरकार की लागत बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह चाल भूमि बंदरगाह उन आठ बंदरगाहों में शामिल हैं, जिन्हें बांग्लादेश ने निष्क्रिय घोषित कर दिया है।

आपको बता दें बांग्लादेश की तरफ से जिन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का ऐलान किया गया है। वहां से मुख्य रूप से भारत के साथ व्यापार करने की उम्मीद थी। चूकि भारत ने मई और जून में बांग्लादेश को मिलने वाली ट्रांस शिपमेंट फैसेलिटी पर प्रतिबंध लगा दिया तो ऐसी स्थिति में इन बंदरगाहों के लिए स्थिति और विकट हो गई।

मैक्सिको की सीनेट में विपक्षी नेता-सीनेट अध्यक्ष में हाथापाई, मोरेनो बोले- मैं तुझे मार डालूंगा

मैक्सिको सिटी , एजेंसी। मैक्सिको की सीनेट में बुधवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक जोरदार बहस के बाद विपक्षी नेता ने सीनेट अध्यक्ष को पकड़कर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह सब उस वक्त हुआ, जब सीनेट की कार्यवाही खत्म होने के बाद सांसद राष्ट्रगान गा रहे थे। यह नजारा इतना हैरान करने वाला था कि लाइव स्ट्रीम में पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे सीनेट में कुर्सियां छोड़कर मुक्के चलने लगे।

विपक्षी इंस्टीट्यूशनल रिवॉल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) के नेता अलेजांद्रो अलिटो मोरेनो ने सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सीनेट अध्यक्ष गेराडों फर्नांडीज नोरोना पर हमला बोल दिया। मोरेनो बार-बार कह रहे थे, मुझे बोलने दो और उन्होंने नोरोना का हाथ पकड़ लिया। नोरोना ने जवाब में कहा, मुझे छूना मत, लेकिन बात यहीं नहीं रुकी। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा एक चर्चा के बाद शुरू हुआ। इसमें मैक्सिको में विदेशी सशस्त्र बलों की मौजूदगी पर तीखी चर्चा हुई थी। नोरोना के मुताबिक, मोरेनो ने कहा, मैं तुझे मार डालूंगा। इस दौरान एक और सांसद ने भी नोरोना पर मुक्का चलाने की कोशिश की।

अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हूं-उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपने फैसलों की वजह से दुनिया भर के देशों की सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में उनके पद पर रहने या न रहने को लेकर भी दुनिया बड़े गौर से देख रही है। उनकी सेहत को लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जाती रहती हैं। हालांकि वाइट हाउस और ट्रंप परिवार की तरफ से उनकी सेहत को बिल्कुल सही बताया जाता है। इस सब के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि ट्रंप का स्वास्थ्य बेहतर है।

यूएस टुडे को दिए इंटरव्यू में जेडी वेंस ट्रंप के स्वास्थ्य और अपने राष्ट्रपति पद को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति अच्छी स्थिति में हैं, वह अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिका को महान बनाने के अपने काम में लगे रहेंगे।

जेडी ने आगे कहा, भगवान न करे, कोई ऐसी भयानक घटना होती है, तो मैं पिछले 200 दिनों से ट्रंप के अंडर ट्रेनिंग ले रहा हूं, तो मैं राष्ट्रपति पद संभालने के लिए भी तैयार हूं।

गौरतलब है कि वेंस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बार-बार ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे। हालांकि वाइट हाउस से जब इस चोट के बारे में जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने बताया कि बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन का इस्तेमाल करने की वजह से यह चोट लगी है।

गाजा में भूख से मर रहे महिलाएं और बच्चे- सिंडी मैक्केन

गाजा , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी की प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस हफ्ते गाजा दौरे के दौरान यह साफ दिखा कि वहां खाने-पीने की चीजें पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और ज्यादा मानवीय मदद पहुंचाने की तात्कालिक जरूरत पर जोर दिया। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य संकट निगरानी संस्था ने पिछले हफ्ते कहा था कि गाजा पट्टी का सबसे बड़ा शहर भुखमरी की चपेट में है और अगर युद्धविराम तथा राहत सामग्री पर लगी रोक नहीं हटाई गई, तो यह पूरे इलाके में फैल सकती है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की कार्यकारी निदेशक सिंडी मैक्केन ने कहा कि गाजा में भुखमरी जारी है। उन्होंने कहा, मैंने खुद गाजा में माताओं और बच्चों से मुलाकात की जो भूख से मर रहे हैं। यह सच्चाई है और यह अभी हो रहा है। मैक्केन ने बताया कि पीएम नेतन्याहू स्पष्ट तौर पर चिंतित थे कि लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा।

अमेरिकी राजनयिक ने लेबनानी पत्रकारों से मांगी माफी, संवाददाता सम्मेलन में की थी अपमानजनक टिप्पणी

बेरूत, एजेंसी। अमेरिकी राजनयिक टॉम बैरक ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को लेबनानी पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को चुप कराने की कोशिश करते हुए उनकी तुलना जानवरों से की थी।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत और सीरिया में अमेरिकी दूत बैरक, जो लेबनान में एक अस्थायी कार्यभार भी संभाल रहे हैं, ने कहा कि उनका इरादा अपमानजनक तरीके से इस शब्द का इस्तेमाल करने का नहीं था। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि उनकी टिप्पणी अनुचित थी।

बीते मंगलवार को बेरूत पहुंचे थे बैरक

दरअसल, बीते मंगलवार को बैरक अमेरिकी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बेरूत पहुंचे थे।

यहां उन्होंने लेबनानी सरकार से आतंकवादी समूह हिजबुल्ला को निशस्त्र करने और इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध के बाद हुए संघर्षविराम समझौते के क्रियान्वयन पर चर्चा की।

पत्रकारों ने बैरक को मंच पर आने के लिए कहा था

राष्ट्रपति भवन में संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पत्रकारों ने बैरक से चिल्लाकर कहा कि वह मंच पर आएं, क्योंकि बैरक ने कमरे में किसी दूसरी जगह से बोलना शुरू किया था। जैसे ही बैरक मंच पर पहुंचे, उन्होंने पत्रकारों से कहा, सभ्य, दयालु और सहनशील बनें। उन्होंने धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह सम्मेलन बीच में ही खत्म कर देंगे। बैरक ने कहा, जिस क्षण यह अराजकता, पशुवत होने लगेगी, हम यहां से चले जाएंगे।

राष्ट्रपति भवन ने भी बैरक की टिप्पणी पर जताया खेद

बैरक की इस टिप्पणी का भारी विरोध हुआ। लेबनान प्रेस संगठन ने माफी की मांग की और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बैरक के कार्यक्रमों का बहिष्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन ने भी एक बयान जारी कर बैरक की टिप्पणी पर खेद जताया और पत्रकारों की कड़ी मेहनत की सराहना की।

मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था

बैरक ने एक्स प्लेटफॉर्म पर मीडिया कर्मी मारियो नवाफल के साथ साक्षात्कार में कहा कि पशुवत शब्द मैंने अपमानजनक रूप से नहीं कहा था, मैं सिर्फ कहना चाहता था कि माहौल शांत हो, सहनशीलता और दयालुता हो, सब सभ्य बने। लेकिन मीडिया तो अपना काम कर रहा था, ऐसे में यह कहना अनुचित था। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था और पत्रकारों को समय देना चाहिए था।

ईशनिंदा आरोप का सामना कर रही कैंसर पीड़ित महिला की जमानत खारिज, विवादित तस्वीर पोस्ट करने का मामला

रबात, एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता इब्तिसाम लचगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। लचगर पर ईशनिंदा करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि लचगर कैंसर की समस्या से जूझ रही हैं और सितंबर में उनकी सर्जरी होनी है। इसके बावजूद मोरक्को की अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया। इब्तिसाम लचगर का मामला इन दिनों मोरक्को समेत पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इब्तिसाम लचगर के वकील ने बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान उन्हें स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर रिहा करने की मांग की थी, लेकिन राजधानी रबात की अदालत ने अपील ठुकरा दी और लचगर को रिहा करने से इनकार कर दिया। लचगर पर एक विवादित टिप्पणी वाली टीशर्ट पहनकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। मोरक्को में राजशाही और इस्लाम का अपमान करने की सख्त मनाही और इसे लेकर वहां लंबे समय से कठोर कानून हैं।

लचगर की वकील नईमा एलगुलाफ ने बताया कि लचगर कैंसर से जूझ रही हैं और जेल में उन्हें जरूरी देखभाल नहीं मिल पा रही है। वकील ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि लचगर की सितंबर में सर्जरी होनी है। सर्जरी में तय किया जाना है कि क्या लचगर अभी भी अपने कृत्रिम हाथ के साथ जी सकती हैं या फिर उसे हटाना पड़ेगा। जेल में लचगर की हालत लगातार बिगड़ रही है। लचगर इस्लाम धर्म के खिलाफ काफी मुखर रही हैं और कई बार विवादों में फंस चुकी हैं।

फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका, एलीगेटर अलकाट्राज को बंद करने का आदेश

ऑरलैंडो, एजेंसी। फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बुधवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात एक जज ने एलीगेटर अल्काट्राज के संचालन को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश देते हुए अपने फैसले को बरकरार रखा। यह राज्य के एवरग्लेड्स में स्थित है और इसे हवाई प्रशिक्षण अड्डे से इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बदला गया था। इस केंद्र को एलीगेटर अल्काट्राज नाम दिया गया था। अब यह केंद्र जल्द ही पूरी तरह से खाली हो सकता है।

राज्य द्वारा अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, फिलहाल इस केंद्र को बंद करने में ही फ्लोरिडा को 15 से 20 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा। अगर इसे दोबारा चालू करने की अनुमति मिली तो फिर से संरचनाओं को स्थापित करने पर 15 से 20 मिलियन डॉलर और खर्च होंगे। एक राज्य अधिकारी ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन विभाग को 218 मिलियन डॉलर का अधिकांश निवेश खोना पड़ेगा। सिर्फ कुछ ही दिनों में बने इस केंद्र में बड़े सफेद टेंटों के चारों तरफ जंजीरों से बंधे पिंजरे हैं, जिनके चारों ओर चारपाई बिस्तरों की कतारें लगी हुई हैं।

इस केंद्र के निर्माण-संचालन के लिए दिए गए हैं 405 मिलियन डॉलर के ठेके : एपी के हवाले से आई पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा ने इस सुविधा के निर्माण और संचालन के लिए कम से कम 405 मिलियन डॉलर के ठेके दिए हैं। अधिकारियों ने शुरू में अनुमान लगाया था कि इसे चलाने में हर साल 450 मिलियन डॉलर लगेंगे। जुलाई के अंत तक ही राज्य 245 मिलियन डॉलर इस केंद्र पर खर्च कर चुका था। यह सुविधा 1 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस केंद्र का दौरा किया था और कहा था कि यह पूरे देश में भविष्य के हिरासत केंद्रों का मॉडल हो सकता है।

कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा केंद्र : लेकिन शुरुआत से ही यहां गंदगी, अस्वच्छ हालात और बंदियों को कानूनी मदद से वंचित रखने जैसी शिकायतें आती रही हैं। यह केंद्र कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथलीन विलियम्स ने अपना आदेश दोहराया कि केंद्र को बंद किया जाए, क्योंकि राज्य और संघीय एजेंसियों ने इस क्षेत्र की संवेदनशील आद्रभूमि में डिटेंशन सेंटर बनाने से पहले जरूरी पर्यावरण समीक्षा नहीं की। जज ने संचालन बंद करने के अपने आदेश को स्थगित करने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया।

होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा आदेश से बाधित होंगी योजनाएं : मियामी के न्यायाधीश ने कहा कि यहां बंदियों की संख्या पहले ही घट रही है और इससे संघीय सरकार के आव्रजन प्रवर्तन लक्ष्यों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों का कहना है कि आदेश से उनकी योजनाएं बाधित होंगी। विभाग ने सिर्फ इतना कहा कि वह अदालत के आदेश का पालन कर रहा है और बंदियों को अन्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है। हालांकि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने यह नहीं बताया कि पिछले हफ्ते जज के अस्थायी निषेधाज्ञा के बाद से कितने बंदी बचे हैं और कितने बाहर निकाले गए हैं।

राजस्थान रॉयल्स को लगा बड़ा झटका, राहुल द्रविड़ ने हेड कोच पद से अचानक दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स से नाता तोड़ लिया है। जयपुर स्थित इस फ्रैंचाइज़ी ने शनिवार (30 अगस्त) को एक्स के ज़रिए इस खबर की पुष्टि की कि द्रविड़ सिर्फ़ एक सीज़न के बाद ही अपने पद से हट रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में 46 मैच खेलने वाले द्रविड़ पिछले साल भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद फ्रैंचाइज़ी में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए थे। लेकिन दुनिया की सबसे अमीर फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट लीग के 2025 संस्करण में द्रविड़ कुछ ख़ास कमाल नहीं दिखा पाए।

उनके मार्गदर्शन में, आरआर 14 में से केवल चार मैच ही जीत पाई और लीग तालिका में नौवें स्थान पर रही। राजस्थान रॉयल्स ने द्रविड़ के विदाई पोस्ट पर लिखा कि गुलाबी रंग में आपकी उपस्थिति ने युवा और अनुभवी दोनों को प्रेरित किया। हमेशा रॉयल्स। हमेशा आभारी। फ्रैंचाइज़ी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहाफ्रैंचाइज़ी की संरचनात्मक समीक्षा के तहत, राहुल को फ्रैंचाइज़ी में एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक फ्रैंचाइज़ी के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। द्रविड़ दूसरे ऐसे मुख्य कोच हैं जिन्होंने आईपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले किसी आईपीएल फ्रैंचाइज़ी से नाता तोड़ लिया है। पिछले महीने कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी चंद्रकांत पंडित से नाता तोड़ लिया था। आईपीएल 2023 से पहले केकेआर में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए पंडित ने 2024 में मुख्य कोच के रूप में आईपीएल खिताब जीता था। आशीष

नेहरा के बाद, वह मुख्य कोच के रूप में आईपीएल खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं।

यूएस ओपन : नोवाक जोकोविच ने चौथे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने गैरवरीय ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी को 6-4, 6-7(4), 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 38 साल के जोकोविच यूएस ओपन के अंतिम 16 में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1991 में जिमी कॉनर्स ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

जोकोविच ने मेजर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा हार्डकोर्ट जीत के मामले में रोजर फेडरर को पीछे छोड़ते हुए अपनी 102वीं जीत दर्ज की। चार बार के यूएस ओपन चैंपियन ने नॉरी के खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड 7-0 तक भी पहुंचाया।

जीत के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि किसी भी मैच में आप बिना किसी नाटकीयता के सीधे सेटों में जीतना चाहते हैं और आसानी से जीत हासिल करना चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं है। मेरी टीम चाहती है कि मैं कोर्ट पर संघर्ष करूं ताकि मैं मैच खेलने में कुछ और समय बिता सकूं। मैंने विंबलडन के बाद से कोई मैच नहीं खेला था।' उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी कोर्ट पर अपनी लय और लय ढूंढने की कोशिश कर रहा हूं।'

पहले सेट में 5-4 की बढ़त लेने के बाद नोवाक जोकोविच को पीठ की समस्या महसूस हुई। सेट खत्म करने के लिए वापस लौटने से पहले उन्होंने इलाज के लिए कुछ देर के लिए कोर्ट छोड़ दिया। दूसरे सेट की शुरुआत उन्होंने ज्यादा सावधानीपूर्वक की। उनकी सर्विस की गति कम रही। जोकोविच को एक कड़े टाईब्रेकर में संघर्ष करना पड़ा, जिसे नॉरी ने जीत लिया। तीसरे सेट में ब्रिटिश खिलाड़ी ने जल्दी ही अपनी सर्विस तोड़ दी, लेकिन जोकोविच ने लगातार तीन गेम जीतकर जवाब दिया। पूरी तरह से नियंत्रण हासिल करते हुए, जोकोविच ने तीसरे सेट को खत्म किया और चौथे सेट में दबदबा बनाते हुए जीत पक्की कर ली। जोकोविच का अगला मुकाबला जान-लेनार्ड स्ट्रफ के साथ होगा।

रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन, कहा- उनके पास काफी अनुभव

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है।

रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा।

रैना ने कहा, 'रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और

विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।'

रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

रोहित और विराट ने मई की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। जिससे इंग्लैंड के अहम दौरे से ठीक पहले भारतीय टेस्ट टीम में एक बड़ा खालीपन आ गया।

औकिब नबी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास, 4 गेंदों में 4 विकेट, एलीट लिस्ट में हुए शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने गेंद से कहर बरपाते हुए बेंगलुरू में नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में चार गेंदों में चार विकेट लेकर शानदार हैट्रिक ली। औकिब पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे। उन्होंने फरवरी में अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में भी छह विकेट लिए थे।

दलीप ट्रॉफी में देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में उन्होंने अपने पहले आठ ओवरो में कोई विकेट नही लेने के बाद सिर्फ 13 गेंदों में पांच विकेट चटकाए। औकिब ने शुरुआत में तो गेंद से कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया लेकिन उनके प्रदर्शन में बदलाव आया। जिससे अंततः नोर्थ जोन को बड़ी बढ़त हासिल हुई। जब ईस्ट जोन सिर्फ 183 रन पिछे रह गया था तब नबी ने गेंद से प्रभाव छोड़ते हुए 102 गेंदों पर 69 रन बनाने वाले ईस्ट जोन के अहम बल्लेबाज विराट सिंह को क्लीन बोल्ड किया। जिससे उन्होंने अहम साझेदारी को तोड़ा।

यह आउट होना एक ऐतिहासिक स्पेल की शुरुआत थी। नबी ने अगली ही गेंद पर मनीष को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया जिससे उन्हें दो गेंदों में दो विकेट मिल गए और नोर्थ जोन की स्थिति मजबूत हो गई। इसके बाद उन्होंने दलीप ट्रॉफी में अपने पहले ही मैच में मुख्तार हुसैन को बोल्ड करके हैट्रिक पूरी की जिससे ईस्ट जोन का स्कोर 222/5 से घटकर सिर्फ तीन गेंदों में 222/8 हो गया।

नबी का खेल अभी खत्म नही हुआ था। अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने सूरज सिंधु जायसवाल का विकेट लिया और दलीप ट्रॉफी के इतिहास में दोहरी हैट्रिक चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी और प्रथम श्रेणी

क्रिकेट में ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। वह यही नही रुके उन्होंने मोहम्मद शमी के रूप में अपना पांचवा विकेट पूरा किया। इस शानदार प्रदर्शन ने नॉर्थ जोन को 175 रनो की शानदार बढ़त दिला दी।

वैभव कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए दिखे

विशाखापत्तनम। उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी प्रो कबड्डी लीग के 12 सत्र की शुरुआत में पहुंचे। यहां वैभव ने बल्लेबाजी के साथ ही कबड्डी भी खेली। इस युवा बल्लेबाज के आते ही प्रशंसकों का उत्साह भी बढ़ गया। साथ ही कबड्डी खिलाड़ी भी उनसे मिलने के लिए उत्साहित दिखे। वैभव भी इस दौरान खुश नजर आ रहे थे पर असली मजा तो तब आया जब कबड्डी के मैदान में वैभव ने जमकर चौके, छक्के लगा दिये। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों के साथ कबड्डी भी खेली। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें वह कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए नजर आए। इस वीडियो को प्रो कबड्डी के आधिकारिक अकाउंट से शेयर किया गय। वह इस दौरान कबड्डी के दांव पेच भी लगाते दिखे। इसमें वैभव सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। वैभव ने पूर्व प्रो कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल से भी मुलाकात की। नरवाल कबड्डी लीग इतिहास के सबसे सफल रेडर है। परदीप ने पीकेएल 2025 की नीलामी में किसी टीम के नहीं खरीदने पर कबड्डी को अलविदा कह दिया था। वैभव को आईपीएल के 2025 सीजन के लिए राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद 14 साल के इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 के 7 मैचों में 252 रन बनाए। वैभव आईपीएल में केवल 35 गेंदों पर शतक लगाकर सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। आईपीएल खत्म होने के बाद वैभव ने इंग्लैंड में अंडर 19 क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन कर प्रभावित किया था।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्री-फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे खिलाड़ी : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में प्री-फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। रोहित के साथ शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर भी यो-यो टेस्ट देंगे। ये टेस्ट प्री-सीजन टेस्ट का हिस्सा हैं हालांकि विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट कब होगा। इसकी जानकारी नहीं मिली है। पूर्व . यह पहली बार है जब रोहित टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि केन्द्रीय अनुबंध में शामिल सभी खिलाड़ियों को प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। यह बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार जरुरी है। इस अधिकारी ने कहा, 'सभी खिलाड़ियों को प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा, ये टेस्ट सीओई को यह समझने में मदद करते हैं कि खिलाड़ियों को किन चीजों पर काम करने की जरूरत है या वे कहां कमी महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद एक बड़ा ब्रेक था। इसलिए खिलाड़ियों को घर पर फिट बने रहने के लिए एक्ससाइज सेट दिए गए थे।'

बीसीसीसी का फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही एशिया कप के लिए उड़ान भर सकेंगे शुभमन

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल को एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई के लिए उड़ान भरेगी, मगर इससे पहले शुभमन को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। वह पिछले कुछ समय से बुखार के कारण दिलीप ट्रॉफी से भी बाहर हो गये हैं। ऐस में अब उन्हें एशिया कप के लिए बीसीसीआई का एक टेस्ट पास करना होगा। जिसके बाद ही वह दुबई जा सकेंगे। यह टेस्ट एशिया कप के लिए जाने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए जरुरी है। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी को रियायत नहीं देना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि गिल का फिटनेस टेस्ट कब होगा, लेकिन संभवतः यह अगले कुछ दिनों में होगा। संभावना है कि गिल एशिया कप के लिए बेंगलुरु से सीधे यूएई जाएंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि गिल पिछले कुछ समय से बीमार होने के कारण चंडीगढ़ में आराम कर रहे थे, इसी वजह से उन्हें दलीप ट्रॉफी से भी बाहर होना पड़ा था। ठीक होने के बाद उन्होंने कुछ अभ्यास भी किया था। एशिया कप के लिए भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई पहुंचेगी। खिलाड़ी अपने-अपने स्थाने से उड़ान भरेंगे और दुबई में एकत्रित होंगे। माना जा रहा है कि टीम मैनेजमेंट ने पहला नेट सत्र 5 सितंबर को रखा है। हालांकि नेट अभ्यास के लिए स्थान अभी तय नहीं किया गया है पर संभावना है कि यह दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सफल अभियान के दौरान यही अभ्यास किया था।

हीरो एशिया कप 2025 राजगीर: दूसरे दिन गोलों की बरसात और पूल-बी में उलटफेर

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 का दूसरा दिन रोमांच से भरपूर रहा, जब पूल-बी के मुकाबले सुर्खियों में छा गए। दर्शकों ने दो यादगार मैच देखे – पहला जबरदस्त गोलों की बारिश वाला और दूसरा एक रोमांचक रणनीतिक जंग जो अंतिम क्षणों तक संघर्षपूर्ण रहा।

मैच 1: बांग्लादेश बनाम चीनी ताइपेई - दो हाफ़ की कहानी

बांग्लादेश ने चीनी ताइपेई पर 8-3 की शानदार जीत दर्ज की, लेकिन स्कोरलाइन पूरी कहानी नहीं बताती। हाफ-टाइम तक मुकाबला 2-2 पर बराबरी पर था और चीनी ताइपेई ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया। लेकिन दूसरे हाफ़ में बांग्लादेश ने आक्रामक खेल का तूफ़ान ला दिया और छह गोल दागकर टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत हासिल कर ली।

मैच 2: कोरिया बनाम मलेशिया - दिग्गजों पर मलेशिया की बढ़त

दिन का दूसरा मुकाबला पूल-बी की एक क्लासिक भिड़ंत थी, जिसमें कोरिया और मलेशिया आमने-सामने थे। हाफ-टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। लेकिन दूसरे हाफ़ में मलेशिया ने अपने मौकों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए तीन गोल दागे और 4-1 से बड़ी जीत दर्ज की। यह नतीजा पूल-बी की अंक तालिका के लिए अहम साबित हो सकता है, क्योंकि मलेशिया ने खुद को गंभीर दावेदार के रूप में पेश किया।

दिन 2 का सारांश
कुल 2 मैच
कुल 16 गोल

बांग्लादेश की गोल बारिश और मलेशिया की धमाकेदार जीत ने पूल-बी को हिला डाला।

कल का कार्यक्रम - रविवार, 31 अगस्त 2025 (पूल-ए की वापसी):

13:00 - मैच 07: चीन बनाम कज़ाख़स्तान

15:00 - मैच 08: जापान बनाम भारत

हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 अब और भी रोमांचक होता जा रहा है। कल मेज़बान भारत और जापान की टक्कर होगी, जो निस्संदेह टूर्नामेंट का एक ब्लॉकबस्टर मुकाबला साबित होगा।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग -भारत को एक पदक मिलना तय

पेरिस। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। सात्विक और चिराग ने पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21-12, 21-19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस जीत के साथ ही अब भारत को एक पदक मिलना तय हो गया है। 43 मिनट तक चले मुकाबले में सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी को आसानी से हरा दिया। जीत के बाद चिराग ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। यह ओलंपिक जैसा ही मुकाबला था और मुझे लगता है कि हमने तब इस जोड़ी से मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया है। उन्होंने कहा, इस जोड़ी के खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा लगता है। बड़े आयोजनों में हमारे बीच हमेशा कुछ कड़े मुकाबले होते रहे हैं। इसलिए जीत हासिल करने की हमें बहुत खुशी है। वहीं सात्विकसाईराज ने भी अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अपने प्रदर्शन पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा, दूसरे गेम में, जब हम आगे चल रहे थे तब भी मुझे पूरा भरोसा था कि हमें जीत के लिए काफी प्रयास करने होंगे क्योंकि विरोधी इतनी आसानी से हार नहीं मानेंगे। सात्विकसाईराज ने कहा, जब हमने गेम जीते तो मुकाबला कांटे का था पर हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते थे। हमारा पूरा ध्यान अपने खेल पर था। आज हमने जिस तरह से खेला, उससे मैं उत्साहित हूं। सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर भारतीय जोड़ी ने कहा कि कहा कि वह इसे टूर्नामेंट के किसी भी अन्य मैच की तरह ही लेंगे। शेट्टी ने कहा, हमारा ध्यान हमेशा एक मैच पर है। चीनी जोड़ी अच्छी और मजबूत है। हम उनके खिलाफ पहले भी खेल चुके हैं। मैच का इंतजार है।

हॉकी : एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशिया कप के लिए शनिवार को चीन के हांग्जो रवाना हो गई। 20 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व सलीमा टेटे कर रही हैं। टेटे ने हॉकी विश्व कप 2026 में जगह पक्की करने के उद्देश्य से एशिया कप जीतने का लक्ष्य रखा है। सलीमा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए अगले साल होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने का अवसर है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारी पहली प्राथमिकता अपने पूल में शीर्ष पर रहना और सुपर फोर में पहुंचना है। वहां से, हम मैच दर मैच ट्रॉफी की ओर बढ़ेंगे।' 20 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। गोलकीपर बंसरी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम टीम में गहराई प्रदान करते हैं। रक्षा इकाई में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थौदम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, कप्तान सलीमा टेटे, लालरेम सियामी, शर्मिला देवी, सुनीता टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसे मजबूत खिलाड़ी हैं। फॉरवर्ड में नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल हैं। भारत को पूल बी में रखा गया है। ग्रुप की अन्य टीमें जापान, थाईलैंड और सिंगापुर हैं। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी। उसके बाद 6 सितंबर को जापान के खिलाफ और फिर 8 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ अपना अंतिम लीग मैच खेलेगी। भारत ने महिला एशिया कप दो बार जीता है, पहला 2004 में और फिर 2017 में। पिछले महिला एशिया कप में भारतीय टीम तीसरे नंबर पर रही थी। महिला एशिया कप 2025 का आयोजन चीन के हांग्जो शहर में 5 से 14 सितंबर तक होगा।

एशिया कप शुरू होने से पहले हुआ बड़ा बदलाव, अब इतने बजे खेलें जाएंगे मुकाबले

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होगी, और टूर्नामेंट की मेज़बानी अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम और दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम द्वारा की जाएगी। टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही जारी किया जा चुका था, लेकिन अब एक अहम अपडेट सामने आया है।

समय में बदलाव- मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अब एशिया कप के मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे (स्थानीय समय 6:30 बजे) से शुरू होंगे। पहले यह मैच शाम 7:30 बजे निर्धारित थे, लेकिन यूएई में गर्मी और उमस को देखते हुए आयोजकों ने मैचों के समय को आधे घंटे बढ़ा दिया है। इस फैसले को ब्रॉडकास्टर्स ने भी स्वीकार कर लिया है।

यूएई के मौसम को लेकर लिया फैसला- यूएई का मौसम क्रिकेट मैचों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों और दर्शकों को मुश्किल हो सकती है। दिन के समय तापमान बेहद उच्च रहता है, जिससे शाम को भी गर्मी का असर बरकरार रहता है। आयोजकों ने यह फैसला लिया है कि मैचों को रात के समय आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल स्थितियां मिलें और दर्शकों को स्टेडियम में आरामदायक अनुभव हो।

टीम इंडिया का मैच शेड्यूल- भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। इसके बाद 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला भारत 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगा। सुपर-4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे, और टूर्नामेंट का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

बेंगलुरु भगदड़ का दर्द: आरसीबी ने जान गंवाने वाले 11 फैंस के परिवारों को दिए 25 लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 सीज़न का खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में हुई भगदड़ ने विश्व क्रिकेट को स्तब्ध कर दिया। 11 लोगों की जान लेने और कई अन्य को घायल करने वाली इस भगदड़ ने प्रभावित सभी लोगों पर गहरा असर डाला। इस भगदड़ के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार ठहराई जा रही आरसीबी ने घटना के 84 दिनों बाद तक सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट नहीं किया और फिर आरसीबी केयर फंड की घोषणा की।

हालांकि, फ्रैंचाइज़ी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। टीम ने कहा कि यह पीड़ितों के प्रति उनकी सहानुभूति है, न कि केवल वित्तीय सहायता। आरसीबी ने ट्वीट किया कि 4 जून, 2025 को हमारा दिल टूट गया। हमने आरसीबी परिवार के ग्यारह सदस्यों को खो दिया। वे हमारा हिस्सा थे। हमारे शहर, हमारे समुदाय और हमारी टीम को अद्वितीय बनाने वाली चीज़ों का हिस्सा। उनकी अनुपस्थिति हम सभी की यादों में हमेशा रहेगी।

बयान में आगे कहा गया कि उनके द्वारा छोड़ी गई जगह को कोई भी सहयोग कभी नहीं भर सकता। लेकिन पहले कदम के तौर पर, और गहरे सम्मान के साथ, आरसीबी ने उनके परिवारों को 25-25 लाख रुपये दिए हैं। सिर्फ़ आर्थिक मदद के तौर पर नहीं, बल्कि करुणा, एकता और निरंतर देखभाल के वादे के तौर पर। गौरतलब है कि आरसीबी केयर्स एक ऐसा कार्यक्रम होगा जो आगे चलकर पूरी तरह से सहायता प्रदान करने और प्रशंसकों की सहभागिता बढ़ाने पर केंद्रित होगा। भगदड़ पीड़ितों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए, आरसीबी ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है और वे प्रभावित सभी लोगों के लिए काम करना जारी रखेंगे।

फ्रैंचाइज़ी को उम्मीद होगी कि यह नई पहल उन्हें पटरी पर लाने में मदद करेगी, क्योंकि भगदड़ के दुष्परिणाम पहले ही उन पर पड़ चुके हैं। गौरतलब है कि इस टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर 18 साल बाद पहली बार आईपीएल खिताब जीता था।